# लेखाशास्त्र

## अध्याय-9: वित्तीय विवरण-II

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

# समायोजन

Trial Balance से बाहर दिये गए सूचनाओं को समायोजन (Adjustment) कहा जाता हैं।

दूसरे शब्दों में, हम ऐसे भी कह सकते हैं कि बाहर में अवस्थित वह सुचना जिसे Final Account में शामिल किया जाता है उसे समायोजन (Adjustment) कहा जाता है।

Adjustment का लेखा दो जगह होता है ।

## समायोजना का उदाहरण

व्यापारी 31 दिसंबर को अंतिम खाते तैयार करता है। एक कर्मचारी का दिसंबर माह का वेतन 1,500 रु. 5 जनवरी को चुकाया गया। अतः 31 दिसंबर को समाप्त होने वाले

वर्ष के लाभ-हानि खाते में इस व्यय को दिखाना होगा क्योंकि यह अदत्त व्यय उसी उसी अवधि से संबंधित है, न कि अगले वर्ष से।

## समायोजना की विशेषताएँ :

- सभी समायोजनाएँ दो खातों को प्रभावित करती है।
- समायोजन तलपट के बाहर दिये होते हैं।
- समायोजन प्रविष्टियाँ रोकड़ खाते को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित नहीं करती हैं।
- यदि समायोजन तल का कोई मद तलपट में दिया हो तो इसे सिर्फ स्थिति-विवरण में दिखाया जायेगा। क्रेडिट शेष को दायित्व भाग में और डेबिट शेष को सम्पत्ति भाग में।

## समायोजन (Adjustment) की आवश्यकता एवं उदेश्य

- सही लाभ-हानि का पता लगाना।
- व्यवसाय की सही आर्थिक स्थिति का पता लगाना।
- बहियों में लेखा नहीं किया गया हो तो उसे करना।
- पुस्तकों में मिली अशुद्धियों को दूर करना।
- अपूर्ण लेन-देनों को पूर्ण करना।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- समस्त आयों, चाहे प्राप्त हुई हो अथवा होनी हों, को शामिल करना।
- समस्त व्ययों, चाहे उनका भुगतान हुआ हो अथवा करने हों, को शामिल करना।

## महत्वपूर्ण समायोजनाएँ

- अंतिम रहतिया (Closing Stock)
- अदत्त व्यय (Outstanding Expenses)
- पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expense)
- ह्रास (Depreciation)
- पूंजी पर ब्याज (Interest On Capital)
- आहरण पर ब्याज (Interest On Drawing )
- ऋण पर ब्याज (Interest On Loan)
- उपार्जित आय (Accrued Income)
- अनुपार्जित आय (Unearned Income)
- ऋण पर ब्याज (Interest On Loan )
- बैंक ऋण पर ब्याज ( Interest On Bank Loan)
- आहरण पर ब्याज ( Interest On Drawing)
- निकृष्ट ऋणों के लिए संचिति (Reserve For Bad Debts)
- विनियोग पर ब्याज (Interest On Investment)
- अंतिम रहतिया (Closing Stock)

Fukey Education

### प्रारंभिक रहतिया (Opening Stock)

प्रारंभिक रहतिया (Opening Stock): एक बैलेंस शीट पर, एक लेखांकन अवधि के अंत में समापन स्टॉक जो आगे स्थानांतरित किया जाता है और एक के बाद आने वाला स्टॉक बन जाता है। Opening Stock को Opening Inventory भी कहा जाता है

### How to calculate Opening Stock



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Opening stock= sold goods cost ( cost of goods sold)+ Closing Stock (goods which was not sold during the period)- Purchase

( प्रारंभिक रहतिया = विक्रय हुए माल की लागत+ अंतिम रहतिया – क्रय किए गए माल की लागत)

**Journal entry**

Trading A/C. Dr.

To Opening Stock A/C.

(Being Opening Stock shown in he trading A/C )

**अंतिम रहतिया (Closing Stock)**

वर्ष के अंत में जो वस्तुएं शेष बची रहती है उसे Closing Stock (अंतिम रहितिया)कहा जाता है।

इसका मूल्यांकन लागत या बाजार मूल्य, दोनों में जो कम हो, उस पर किया जाता है।

समायोजन लेखा :-

इसे Trading Account के Credit Side में तथा Balance Sheet के Current Assets में लिखा जाता है।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

अंतिम स्टॉक का तलपट में दिया रहना - यदि तलपट में अंतिम स्टॉक दिया हो तो इसका लेखा सिर्फ आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में करेंगे, इसे व्यापार खाते के क्रेडिट खाते के पक्ष में नहीं दिखायेंगे।

अंतिम स्टॉक का समायोजन प्रविष्टिया - अंतिम स्टॉक के लिए जर्नल में निम्नलिखित समायोजन प्रविष्टि की जाती है :

**How to calculate closing stock**

Ending Inventory = Cost of goods available for sale – Cost of sales during the period

(अंतिम रहतिया = विक्रय के लिए बचा हुआ माल – विक्रय किया गया माल)

**Journal entry**

Closing Stock A/c. Dr

To Trading A/c.

(Being the closing Stock recorded).

**Trading Account**

(For the year ended...)

| Dr. Particulars | | Amount | Particulars | | Cr. Amount |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening stock | | Xxx | By Sales | xxx | |
| To Purchases | xxx | | Less: Return Inwards | (xxx) | Xxx |
| Less: Return Outwards | (xxx) | Xxx | By Closing stock | | Xxx |
| To Wages | | Xxx | By Gross Loss | | Xxx |
| To Carriage Inwards | | Xxx | | | |
| To Freight Inwards/cartage | | Xxx | | | |
| To Gross Profit c/d | | Xxx | | | |
| | | xxx | | | xxx |

**अदत्त व्यय (Outstanding Expenses)**



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

ऐसे व्यय जो चालू वर्ष से संबंधित होते हैं परन्तु खाते बन्द करने की तिथि तक नहीं चुकाए गए रहते हैं, अदत्त व्यय (Outstanding Expenses )कहलाते हैं। मजदूरी, वेतन व किराए के लिए अदत्त व्यय हो सकता है।

इसके लिए इस तरह के लेखा किया जाता है :-

Particular Expenses A/c Dr.

To Outstanding Expenses A/c

**पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expense)**

प्रीपेड व्यय वह व्यय (खर्च) है जो वर्तमान वित्तीय वर्ष (01/04 / _ से 31/03 / _ तक) में नहीं होता है, लेकिन एक चालू वित्तीय वर्ष में भुगतान किया जाता है। दूसरे शब्दों में, वास्तव में खर्च होने से पहले खर्च का भुगतान किया जाता है।

क्योंकि हम केवल वित्तीय वर्ष में व्यवसाय के खर्च का दावा कर सकते हैं।

उदाहरण: –

01/07/2017 Insurance premium paid for the year Rs 50,000/- insurance policy valid up to 30/06/2017.

Now, the current financial year is from 01/04/2017 to 31/03/2018

The current financial year ended on 31/03/2018. So, we can only claim the expense up to 31/03/2018 in the current financial year.

**प्रीपेड व्यय राशि की गणना**

Total Premium amount = 50,000/-

Unexpired period = 01/04/2018 to 30/06/2018

We can calculate it by way:

- Months Method



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- Days Method

**Months Method: –** The total months from 01/04/2018 to 30/06/2018 is 3 months:

So, 50,000*3/12 = 12,500/-

By Days Method: – The total Days from 01/04/2018 to 30/06/2018 is 91 days (30+31+30):

So, 50,000*91/365 = 12,465.75/- Round off 12,466/-

**जर्नल प्रविष्टि**

01/07/2017 Insurance premium paid for the year Rs 50,000/- insurance policy valid up to 30/06/2017.

यह मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए भुगतान किए गए खर्चों की प्रविष्टि है और अगले वित्त वर्ष के खर्च के लिए अनपेक्षित अवधि या भुगतान की राशि 12,500 / – रुपये है। (गणना ऊपर के समान )।

**लेनदेन के लिए जर्नल प्रविष्टि निम्नलिखित है:**

| Date | Particulars | | L.F. | Debit (Rs.) | Credit (Rs.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 01-07-2017 | Insurance A/c | Dr. | | 37,500 | |
| | Prepaid Insurance A/c | Dr. | | 12,500 | |
| | To Cash A/c | | | | 50,000 |
| | ( Being Insurance premium paid for the year and Policy valid up to 30/06/2017) | | | | |

इसलिए इस लेन-देन में, हम निम्नलिखित दर्शाए गए लेखांकन के सुनहरे नियमों के साथ तीन खातों का उपचार करेंगे।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Insurance A/c -> Expense a/c -> Nominal Rule-> debit all the expenses-> Debit

Cash a/c -> Asset A/c -> Real Rule -> Cash goes out -> Credit

Prepaid Expenses – Representative personal A/c-> Personal A/c -> received premium in advance -> Debit

**ह्रास (Depreciation)**

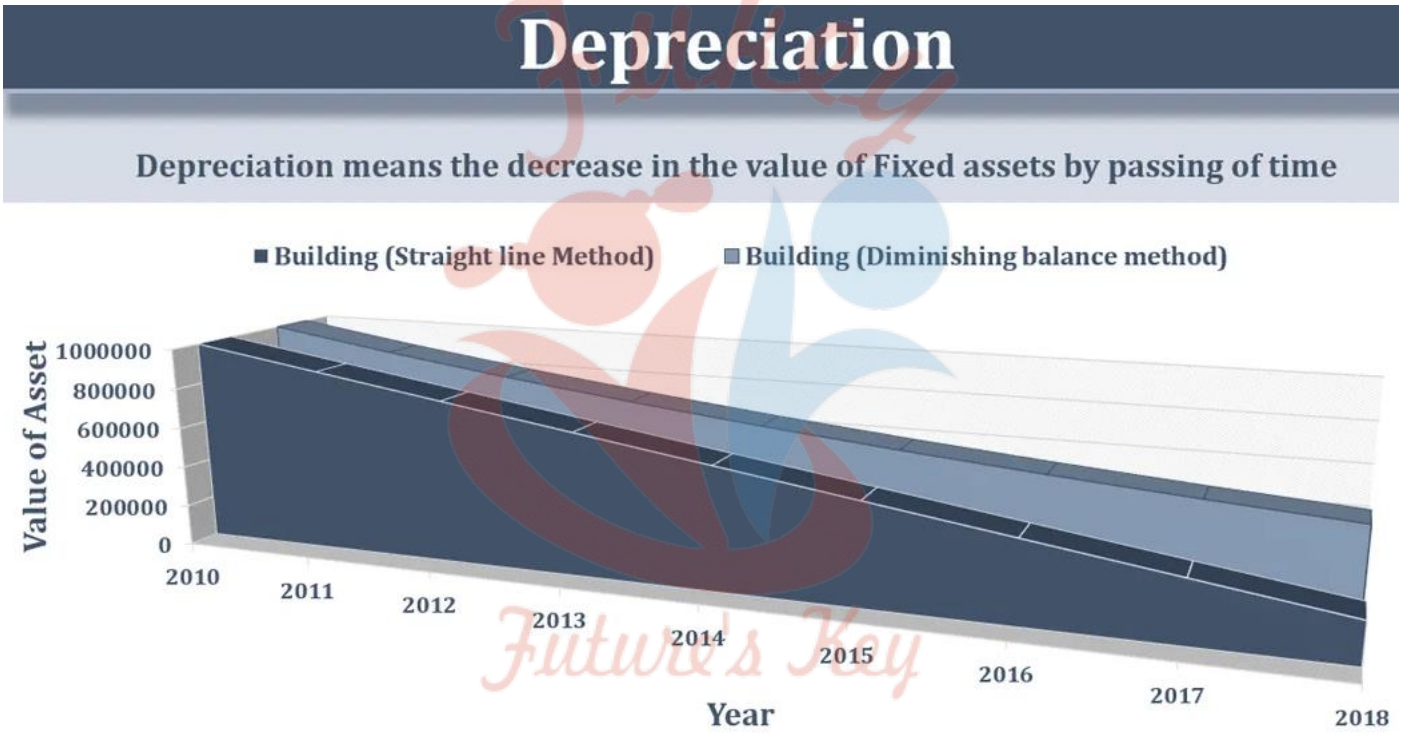


समय गुजरने से अचल संपत्ति के मूल्य में कमी। ह्रास (Depreciation) केवल अचल संपत्तियों (भूमि को छोड़कर) पर आरोपित किया जाता है क्योंकि प्रत्येक अचल संपत्ति में एक वर्ष से अधिक का जीवन होता है, लेकिन अनिश्चित काल तक नहीं चलेगा और भूमि का अनिश्चित काल तक जीवन चलता है, इसलिए इसकी सराहना की जाएगी। ह्रास (Depreciation) को व्यापार (trade) के अप्रत्यक्ष खर्च के रूप में माना जाता है और कंपनी के आय विवरण और व्यापार के लाभ / हानि (profit / loss) खाते में स्थानांतरित किया जाता है।

किसी संपत्ति के मूल्य में तीन प्रकार की गिरावट होती है, जो निम्न प्रकार से दर्शाई गई अचल संपत्तियों की एक अलग श्रेणी को संदर्भित करती है।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

1. ह्रास (Depreciation)
2. रिक्तिकरण (Depletion)
3. ऋणमुक्ति (Amortization)

ह्रास (Depreciation) का उपयोग मूर्त अचल संपत्ति के लिए किया जाता है। जैसे भवन, संयंत्र, मशीनरी, फर्नीचर, स्थिरता, वाहन, कंप्यूटर, आदि।

2.प्राकृतिक संसाधनों की भौतिक थकावट का जिक्र करते हुए रिक्तिकरण (Depletion) का उपयोग किया जाता है। जैसे तेल का कुआँ, कोयले की खान आदि।

3. ऋणमुक्ति (Amortization) का उपयोग अमूर्त अचल संपत्ति के लिए किया जाता है। जैसे सद्भावना, पेटेंट, ट्रेडमार्क, पट्टे, आदि।

**ह्रास (Depreciation) की गणना करने की आवश्यकता**

1. व्यवसाय के वास्तविक शुद्ध लाभ (net profit) को जानने के लिए हमें उस लाभ को अर्जित करने से संबंधित सभी खर्चों को रिकॉर्ड करना होगा। हमें अपने उत्पाद का उत्पादन और भंडारण करने के लिए अपनी अचल संपत्तियों का उपयोग करना था, इसलिए हमें व्यवसाय में वास्तविक लाभ का पता लगाने के लिए अपनी पुस्तकों में इन परिसंपत्तियों का कम मूल्य दर्ज करना होगा।
2. खातों की पुस्तकों में परिसंपत्तियों का वास्तविक मूल्य दिखाएं यह एक परिसंपत्ति का पुस्तक मूल्य कहलाता है।
3. हमें पुरानी चीजों के खिलाफ नई संपत्ति खरीदनी पड़ती है जब यह स्क्रैप हो जाता है, इसलिए परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन के लिए धन की व्यवस्था करने के लिए हमें लाभ से साल दर साल कुछ परिसंपत्तियों का योगदान करना होगा।
4. भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 ने धारा 205 के तहत संयुक्त स्टॉक कंपनियों के लिए इसे वैधानिक आवश्यकता बना दिया है।

**जर्नल प्रविष्टियाँ:**



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**1. When net book value of assets shown on the Balance sheet after deducting an amount of depreciation from the opening book value of an asset.**

Example:

Depreciation charged on building @ 10% on Rs 10,00,000/-.

Solution: –

We will treat two account

Depreciation Account -> is Expenses -> N/A -> All Expenses -> Debited

Building Account -> is an Assets -> R/A -> Goes out -> Credited

Date Depreciation A/c Dr. 1,00,000

To Building A/c 1,00,000

(Being Dep charge on the building)

"After that, at the end of the year, we will transfer all income and expenses to Profit and loss account or income statement to get the actual profit or loss of the business for this we post this following transaction."

**2. Depreciation transferred to Profit and Loss account or income statement**

1. Depreciation Account -> is Expenses -> closing this account has a debit balance so now credited it.
2. Profit and Loss Account -> is Statement -> getting balances of Expenses so now Debited it

Date Profit and Loss A/c Dr. 1,00,000

To Depreciation A/c 1,00,000

(Being amount of dep transferred to Profit or loss account)



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

2. जब बैलेंस शीट और संचित मूल्यह्रास / मूल्यह्रास के लिए प्रॉपर्टी की मूल पुस्तक मूल्य खोला गया और बैलेंस शीट के देयता पक्ष पर दिखाया गया है।

Example: Depreciation charged on building @ 10% on Rs 10,00,000/-.

Solution: –will treat two account

Depreciation Account -> is Expenses -> N/A -> All Expenses -> Debited

Provision for Depreciation on Building Account -> it will also be treated as an Assets -> R/A -> Goes out -> Credited

The account of Provision has a credit balance so it will be shown on the liability side of the Balance Sheet.

Date Depreciation A/c Dr. 1,00,000

To Provision for Dep on Building A/c 1,00,000

(Being Dep charged and provision account opened )

Date Profit and Loss A/c Dr. 1,00,000

To Depreciation A/c 1,00,000

(Being Depreciation transferred to Profit and Loss account or income statement)

**पूंजी पर ब्याज (Interest On Capital)**

व्यापारी द्वारा व्यापार में लगायी गयी पूँजी व्यापारी की संपत्ति है, किन्तु व्यापार के लिए ऋण है तथा ऋण पर ब्याज दिया जाता है। अतः प्रावधान किया गया हो, तो एक निश्चत प्रतिशत से प्रतिवर्ष पूँजी पर ब्याज की गणना किया जा सकता है। पूँजी पर ब्याज व्यापार की हानि है। अतः अन्य हानियों की तरह इसका भी लेखा किया जाता है। पूँजी पर ब्याज को लाभ हानि खाता के विकलन पक्ष (Debit side) में व्यय या हानि के रूप में प्रदर्शित किया जाता है तथा चिट्ठा या स्थिति विवरण



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

में पूंजी के साथ प्रतिवर्ष जोड़ दिया जाता है। पूँजी पर ब्याज पूँजी के प्रारंभिक शेष पर लगाया जाता है।

समायोजन लेखा :- इसे Capital में जोड़ दिया जाता है और Profit & Loss A/c के Debit Side में लिखा जाता है।

**का समायोजन प्रविष्टिया :-**

Interest On Capital A/c ..... Dr.

To Capital A/c

(Being Interest On Capital @..... %)

**आहरण पर ब्याज (Interest On Drawing)**

व्यापारी के द्वारा निजी व्यय के लिए व्यापार से निकाली गयी धनराशि या माह आहरण कहलाता है। आहरण व्यापार से व्यापारी को प्रदान किया गया ऋण है। अतः इस पर ब्याज लगाया जा सकता है। आहरण पर ब्याज व्यापार के लिए लाभ होता है।

Drawings A/C Dr

TO Interest On Drawings A/C



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

अतः इसका लाभ के समान ही लेखा किया जाता है। आहरण पर ब्याज को लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है तथा चिट्ठे में इसे आहरण की राशि के साथ जोड़कर पूँजी से घटाया जाता है।

**ऋण पर ब्याज (Interest On Loan)**

ब्याज उसे कहते है जब हम किसी से कर्ज लेते है और वह मूलधन के साथ हमसे एक्स्ट्रा पैसे की मांग करता है उसी एक्स्ट्रा रकम को ब्याज नाम दिया गया है. इसे अच्छे से समझने के लिए आपको समझना होगा मूलधन क्या है? मूलधन उस रकम को कहते है जो आपने कर्ज लिया ही, या फिर कर्ज दिया है या फिर किसी बैंक में निवेश किया है. जब आप किसी को मूलधन देते हो तो उनसे आप मूलधन चुकाने के साथ ब्याज देने की भी मांग कर सकते हो.

ब्याज अधिकतर वार्षिक होता है उदहारण के लिए बैंक जो हमें ब्याज देते है वह साल में एक बार देते है. लेकिन अगर आप किसी व्यक्ति को अपने तरफ से उधार देते हो या फिर कोई व्यक्ति आपको उधार देता है तो ऐसे में ब्याज हर महीने या हफ्ते के हिसाब से भी हो सकता है. ब्याज हमेशा मूलधन पर लगाया जाता है उदहारण के लिए अगर आपने किसी से Rs 10,000 का उधार लिया तो ब्याज हमेशा मूलधन अमाउंट पर कुछ परसेंटेज लगाकर ही वापास किया जायेगा. अगर किसी से आपने Rs 10,000 उधार लिया और आपका सालाना ब्याज दर 10% होगा तो आपको एक साल बाद Rs 10,000 के साथ Rs 1000 ज्यादा देना होगा.

ब्याज कितना होगा यह ज्यादातर मूलधन देने वाले व्यक्ति पर निर्भर करता है लेकिन बैंक अपने रेट के अनुसार आपको ब्याज देती है. अगर किसी को पैसो की बहुत जरुरत है तो आप अपने पैसे उन्हें कर्ज में देने के साथ ब्याज भी वसूल सकते हो यह भी एक तरह का बिज़नस होता है. बैंक भी लोगो को पैसे जमा करने पर ब्याज देती है और उन्हीं पैसो को बैंक किसी दुसरे जरूरतमंद को उधार देती है और उनसे ब्याज वसूलती है. इसी प्रकार बैंक का पूरा फायदा और नुकसान ब्याज पर ही निर्भर करता है.

ब्याज निकालने का फार्मूला

I=Prt



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

I= यह ब्याज को दर्शाता है.

P= इसे प्रिंसिपल अमाउंट बोला जाता है जिसे हिंदी में हम मूलधन कहते है.

r= कितने परसेंटेज ब्याज दर है उसे दर्शाता है (डेसीमल में लिखा जायेगा).

t= कितने समय में पैसे चुकाना है वह दर्शाता है.

उदहारण 1: एक बैंक आपको Rs 50,000 , 6% सालाना ब्याज दर पर देता है. अब 5 साल बाद आपको कितने पैसे बैंक को चुकाने होंगे चलिए जानते है.

I=Prt

I= हमें ब्याज निकालना है.

P= मूलधन Rs 50,000 है.

r= ब्याज दर 6% को हम डेसीमल में 0.06% लिखेंगे (डेसीमल में बदलने के लिए ब्याज दर को हमेशा 100 से भाग देना होता है. इस उदहारण में ब्याज दर 6% था इसलिए हमने 6/100 करके 0.06% लिखा है).

t= हम 5 साल का ब्याज निकाल रहे है.

I= 50,000 x 0.06 x 5

I= Rs 15,000

Total Amount: Rs 50,000 + Rs 15,000 = Rs 65,000

इस हिसाब से अगर कोई बैंक आपको Rs 50,000 उधार, 6% सालाना ब्याज दर पर देता है तो 5 साल बाद आपका ब्याज Rs 15,000 होगा. अब आपको मूलधन के साथ ब्याज भी देना होगा तो कुल रकम Rs 65,000 चुकाना होगा.

**उपार्जित आय (Accrued Income)**



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

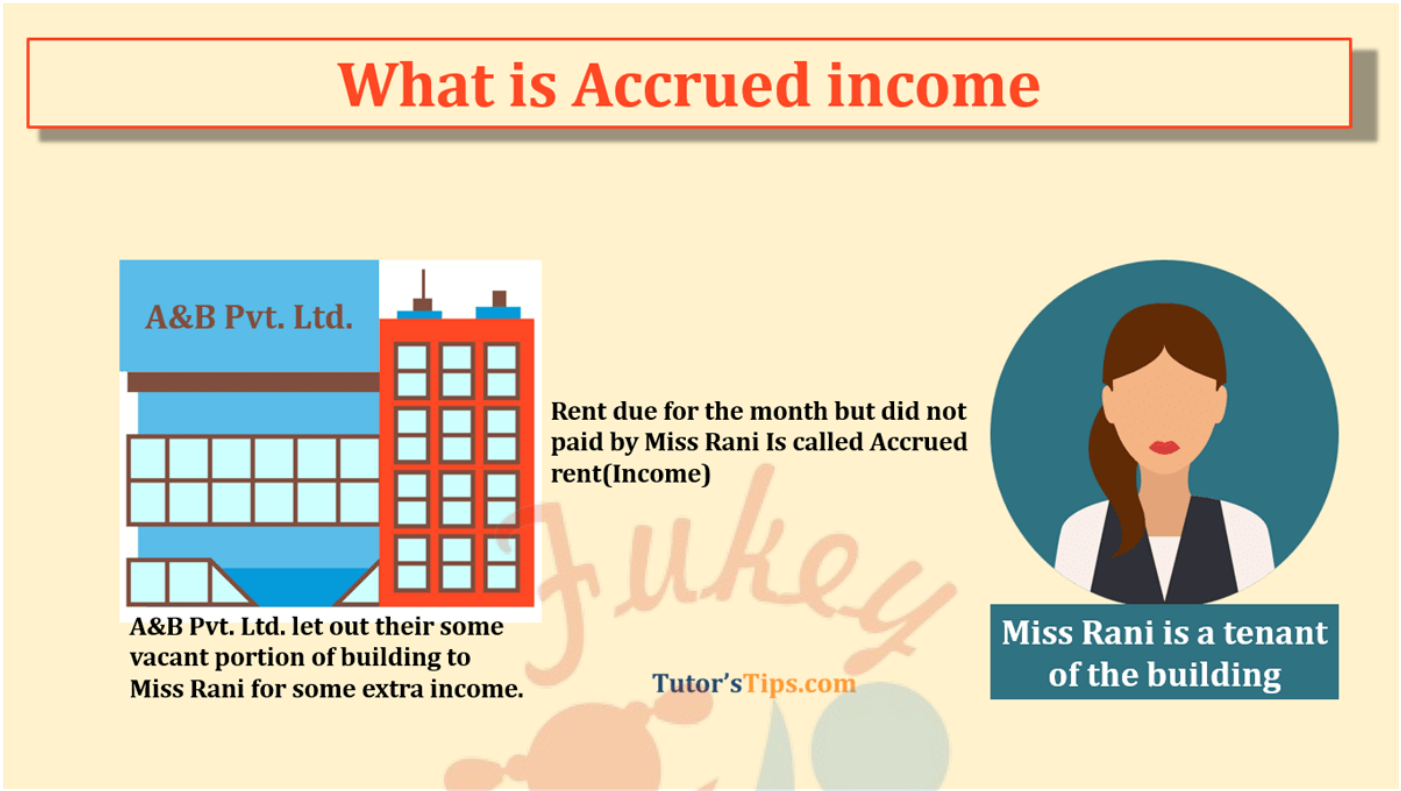


उपार्जित आय से आशय उस आय से है जो अर्जित तो कर ली गयी है, अर्थात् जिसके लिए सेवाएँ दी जा चुकि हैं, किन्तु वित्तीय वर्ष के अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं की गयी है।आय प्राप्त नहीं होने के कारण वित्तीय वर्ष के लेखा पुस्तकों में इसकी प्रविष्टि नहीं की गयी है। अत: अंतिम खातों के निर्माण के समय उपार्जित आयों का खातों में समायोजन आवश्यक है अन्यथा वास्तविक वित्तीय आय ज्ञात नहीं किया जा सकेगा।

वास्तव में उपार्जित आय का संबंध चालू वित्त वर्ष से होता है, इसलिए चालू वित्त वर्ष में इनका लेखा करना आवश्यक है। प्राप्य ब्याज, किराया, कमीशन आदि इस प्रकार के आय हो सकती है। इस प्रकार की आय को चल वर्ष के आय में सम्मिलित किया जाना चाहिए, चाहे वह प्राप्त नहीं हुई हो।

**उदाहरण**

1. किराया अर्जित किया गया है लेकिन अभी तक किरायेदार से $1,500 /-प्राप्त नहीं हुआ है।
2. बीमा दावा देय है लेकिन अभी तक $5570 / रु में नहीं मिला है।
3. बिक्री पर कमीशन (किसी भी अन्य व्यावसायिक उत्पादों की बिक्री) अर्जित किया लेकिन अभी तक $ 10,500 / – रु प्राप्त नहीं हुआ हैं।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**Example:** 01/02/2018 Rent earn but not received yet from the tenant for Rs 1,500/-.

तो इस लेन-देन में, लेखांकन के सुनहरे नियमों के साथ व्यापार लेनदेन के हमारे उपचार के पहले चरण के अनुसार, हमें दो खाते मिलते हैं जो लेनदेन में शामिल हैं। इन्हें निम्नानुसार दिखाया गया है।

Accrued Rent A/c -> Representative personal A/c* -> Personal Rule -> Tenant using our cash for other propose. So, he is the receiver -> Debit

Rent received A/c -> Income A/c -> Nominal Rule -> Rent Earned -> Credit

लेनदेन के लिए जर्नल प्रविष्टि निम्नलिखित है:

| Date | Particulars | L.F. | Debit | Credit |
|---|---|---|---|---|
| 01/02/18 | Accrued Rent a/c Dr. | | 1,500 | |
| | To Rent Received a/c | | | 1,500 |
| | (Being rent from the let out building due but not yet received) | | | |

प्राप्त होने पर अर्जित आय (Accrued Income) के लिए जर्नल प्रविष्टि: –

Example: 15/04/2018 Accrued Rent received from the tenant for Rs 1,500/-.

1. Accrued Rent A/c -> Representative personal A/c* -> Personal Rule -> Tenant is paying cash -> he is the giver -> Credit
2. Cash A/c -> Assets A/c -> Real Rule -> Cash received -> comes in -> Debit

लेनदेन के लिए जर्नल प्रविष्टि निम्नलिखित है:



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| Date | Particulars | L.F. | Debit | Credit |
|---|---|---|---|---|
| 01/02/18 | Cash a/c Dr.<br>To Accrued Rent a/c<br>(Being accrued rent received) | | 1,500 | 1,500 |

आधुनिक नियम के साथ जमा आय के लिए जर्नल प्रविष्टि।

अर्जित आय (Accrued Income) खाता बनाने के लिए जर्नल प्रविष्टि: –

1. Accrued Rent A/c -> Asset A/c -> Asset Rule -> Increase in asset -> Debit
2. Rent received A/c -> Income A/c -> Income Rule -> Increase in income -> Credit

| Date | Particulars | L.F. | Debit | Credit |
|---|---|---|---|---|
| 01/02/18 | Accrued Rent a/c Dr.<br>To Rent Received a/c<br>(Being rent from the let out building due but not yet received) | | 1,500 | 1,500 |

प्राप्त होने पर अर्जित आय (Accrued Income) के लिए जर्नल प्रविष्टि: –

Example: 15/04/2018 Accrued Rent received from the tenant for Rs 1,500/-.

1. Accrued Rent A/c -> Representative personal A/c* -> Personal Rule -> Tenant is paying cash -> he is the giver -> Credit



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

2. Cash A/c -> Assets A/c -> Real Rule -> Cash received -> comes in -> Debit

| Date | Particulars | L.F. | Debit | Credit |
|---|---|---|---|---|
| 01/02/18 | Cash a/c Dr. | | 1,500 | |
| | To Accrued Rent a/c | | | 1,500 |
| | (Being accrued rent received) | | | |

**अनुपार्जित आय (Unearned Income)**

अनुपार्जित आय से आशय चालू वर्ष में प्राप्त उस आय से होता है, जिससे संबंधित सेवाएँ आगामी व्यापारिक वर्ष में दिया जाएगा अर्थात् ऐसी समस्त आय जो प्राप्त की गयी है, पर जिनकी सेवाएँ नहीं दी गयी है, अनुपार्जित आय कहलाती है।

चूँकि यह आय चालू वर्ष के आय से संबंधित नहीं होती। इसलिए इन्हें चालू वर्ष की आय में सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।

**आहरण पर ब्याज ( Interest On Drawing)**

जब हम अपने पर्सनल काम के लिए अपने व्यवसाय से पैसा निकालते है तो उस पैसे पर हमे ब्याज देना होता है जैसे मालिक पूंजी पर ब्याज लेता है वैसे ही वो जब पर्सनल काम के लिए पैसा निकालता है तो उस पर उसे ब्याज देना होता है इसकी पोस्टिंग इस प्रकार की जाती है

Drawings A/C Dr

TO Interest On Drawings A/C

**निकृष्ट ऋणों के लिए संचिति (Reserve For Bad Debts)**



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

ग्राहकों से जो रकम वसूल होने की संभावना नहीं रहती है उसे Reserve For Bad Debts (निकृष्ट ऋणों के लिए संचिति )कहा जाता है।

Reserve For Bad Debts (निकृष्ट ऋणों के लिए संचिति ) का दूसरा नाम :-

- Reserve For Bad Doubt Full Debts
- Reserve For Debtors
- Provision For Bad Debts
- Provision For Doubts Full Debts
- Provision For Bad And Doubts Full Debts

**समायोजन लेखा :-**

इसे Debtors में से घटाया जाता है और P/L A/c के Debit Side में लिखा जाता है।

**विनियोग पर ब्याज (Interest On Investment)**

**विनियोग(INVESTMENT):**

साधारण बोलचाल की भाषा में विनियोग का आशय अतिरिक्त आय कमाने के उद्देश्य से अपनी बचत को विनियोजित करने से लगाया जाता है। विनियोग से जहाँ एक ओर तो नियमित आय प्राप्त होती है और दूसरी ओर भविष्य की सुरक्षा के लिए धन का संचय हो जाता है ।

आधुनिक समय में विनियोगों को विशिष्ट अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है जब कोई व्यक्ति या संस्था अपनी बचत को अंशो(SHARES), ऋणपत्रों(DEBENTURES) या सरकारी ऋणों या बाण्ड्रों(BONDS) में विनियोजित कर देता है तो इसे विनियोग कहा जाता है। इनका स्वतंत्र रूप से क्रय विक्रय किया जाता है इन पर समय-समय पर ब्याज(INTEREST) अथवा लाभांश(DIVIDEND) के रूप में आय प्राप्त होती है।

ब्याज वाली प्रतिभूतियाँ वे प्रतिभूतियाँ होती हैं जिन पर ब्याज के रूप में आय प्राप्त होती है। जैसे- ऋणपत्र बाॅण्ड्र आदि। ब्याज वाली प्रतिभूतियों पर सामान्यतया ब्याज का भुगतान छमाही आधार पर वर्ष में दो बार किन्हीं निश्चित तिथियों पर किया जाता है। छः माह का ब्याज उसी व्यक्ति को



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्राप्त होता है जिसके पास ब्याज की तिथि को विनियोग होते हैं । कभी-कभी विनियोगों पर ब्याज वार्षिक आधार पर भी प्राप्त होता है। विनियोगों पर ब्याज की गणना हमेशा अंकित मूल्य (FACE VALUE) पर की जाती है।विनियोगों पर दलाली आदि की गणना हमेशा अंकित मूल्य पर की जाती है।

**लाभांश (DIVIDEND)**

**प्रतिभूतियाँ (SECURITIES) –**

जब कोई व्यक्ति या संस्था अपनी बचत को अंशो (SHARES),ऋणपत्रों(DEBENTURES) या सरकारी ऋणों या बाॅण्ड्रों(BONDS) में विनियोजित कर देता है तो इसके लिखित प्रमाण स्वरूप जो प्रपत्र मिलते हैं उन्हें प्रतिभूतियाँ

(SECURITIES) कहा जाता है। इन पर इनके निर्गमन(ISSUE) और शोधन(REDEMPTION) और ब्याज (INTEREST) एवं लाभांश (DIVIDEND) के भुगतान की शर्ते लिखी होती है।

विनियोग(INVESTMENT): प्रतिभूतियों(SECURITIES) में जो धन विनियोजित किया जाता है , उसे विनियोग(INVESTMENT) कहा जाता है।

प्रतिभूतियों के प्रकार (TYPES OF SECURITIES) –

**1.सरकारी प्रतिभूतियाँ (GOVERNMENT SECURITIES)**

– वे प्रतिभूतियाँ जो केन्द्र या राज्यसरकार द्वारा जारी की जाती हैं, सरकारी प्रतिभूतियाँ कहलाती हैं। धन की पूर्ण सुरक्षा रहती है। ब्याज की दर(RATE OF INTEREST) कम होती है।

**2.अर्द्ध–सरकारी प्रतिभूतियाँ (SEMI-GOVERNMENT SECURITIES) –**

वे प्रतिभूतियाँ जोे अर्द्ध-सरकारी संस्थाओं द्वारा जारी की जाती हैं, अर्द्ध-प्रतिभूतियाँ कहलाती हैं। धन की सुरक्षा रहती है और जोखिम (RISK) कम रहता है, लेकिन ब्याज की दर अधिक होती है।

**3.गैर–सरकारी प्रतिभूतियाँ (NON-GOVERNMENT SECURITIES) –**



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

वे प्रतिभूतियाँ जो औघोगिक संस्थाओं और कम्पनियों द्वारा जारी की जाती है, गैर-सरकारी प्रतिभूतियाँ कहलाती हैं। जोखिम(RISK) अधिक होता है लेकिन ब्याज की दर बहुत अधिक होती है। जैसे TATA Motors Limited, Reliance Industries Limited, Tata Consultancy Services Ltd द्वारा जारी की गयी प्रतिभूतियाँ आदि।

विनियोग से लाभ(BENEFITS FROM INVESTMENT) –

**विनियोगकर्ता को लाभ (BENEFITS TO INVESTOR)**

1. भविष्य की आवश्यकता के लिए धन संचय हो जाता है।
2. ब्याज अथवा लाभांश के रूप में नियमित आय प्राप्त होती है।
3. आयकर में छूट प्राप्त होती है। बचत की आदत होती है।
4. धन के चोरी होने का भय नहीं रहता है।
5. समाज में प्रतिष्ठा बढ़ती है और जीवन स्तर में सुधार होता हे।

**विनियोग प्राप्तकर्ता को लाभ (BENEFIT TO THE INVESTMENT RECIPENT)–**

- आवश्यकता के लिए धन की प्राप्ति हो जाती है।
- स्वतंत्रता पूर्वक धन का उपयोग किया जा सकता है।
- व्यापार एवं उद्योग के विकास में सहायक होते हैं।

**सरकार को लाभ (BENEFITS TO THE GOVERNMENT)–**

- देश का औद्योगिक विकास होता है।
- रोजगार के साधनों में वृद्धि होती है।
- राष्ट्रीय आय ( NATIONAL INCOME) और प्रति व्यक्ति आय (PER CAPITA INCOME) में वृद्धि होती है।
- देश का आर्थिक विकास होता है।
- देश में पूँजी निर्माण(CAPITAL FORMATION) होता है।

आय की दृष्टि से प्रतिभूतियों के प्रकार (TYPES OF SECURITIES IN TERMS OF INCOME)-



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

1.ब्याज वाली प्रतिभूतियाँ (INTEREST BEARING SECURITIES)

2.लाभांश वाली प्रतिभूतियाँ (DIVIDEND BEARING SECURITIES)

**ब्याज वाली प्रतिभूतियाँ (INTEREST BEARING SECURITIES)-**

ब्याज वाली प्रतिभूतियाँ वे प्रतिभूतियाँ होती हैं जिन पर ब्याज के रूप में आय प्राप्त होती है। जैसे- ऋणपत्र बाण्ड्स आदि। ब्याज वाली प्रतिभूतियों पर सामान्यतया ब्याज का भुगतान छमाही आधार पर वर्ष में दो बार किन्हीं निश्चित तिथियों पर किया जाता है। छः माह का ब्याज उसी व्यक्ति को प्राप्त होता है जिसके पास ब्याज की तिथि को विनियोग होते हैं । कभी-कभी विनियोगों पर ब्याज वार्षिक आधार पर भी प्राप्त होता है। विनियोगों पर ब्याज की गणना हमेशा अंकित मूल्य (FACE VALUE) पर की जाती है।विनियोगों पर दलाली आदि की गणना हमेशा अंकित मूल्य पर की जाती है।

**लाभांश वाली प्रतिभूतियाँ (DIVIDEND BEARING SECURITIES)-**

लाभांश वाली प्रतिभूतियाँ वे प्रतिभूतियाँ होती हैं जिन पर लाभांश के रूप में आय प्राप्त होती है। जैस समता अंश, पूर्वाधिकार अंश आदि।

Future's Key
Fukey Education

## NCERT SOLUTIONS

## प्रश्न (पृष्ठ संख्या 450 - 462)

### लघु उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 अंतिम खाते बनाते समय समायोजन प्रविष्टि को अभिलेखन करना क्यों आवश्यक है?

उत्तर – अन्तिम खाते बनाते समय समायोजन प्रविष्टि को अभिलेखन करना बहुत आवश्यक है। लेखांकन की उपार्जन परिकल्पना के अनुसार एक लेखांकन वर्ष के लाभ अथवा हानि की गणना, आगम की रोकड़ के रूप में वसूली, तथा वर्ष के दौरान भुगतान किए गए व्ययों पर ही आधारित नहीं होती है क्योंकि चालू वर्ष के दौरान कुछ ऐसी आय, प्राप्तियाँ एवं भुगतान किये गए व्यय हो सकते हैं जो आंशिक रूप से गत वर्ष अथवा आगामी वर्ष से संबंधित हों।

ऐसा भी हो सकता है कि चालू वर्ष से संबंधित कुछ आगम तथा व्यय हों, जिसे लेखा पुस्तकों में दर्शाना बाकी है। इसलिए जब तक कि इन मदों का समायोजन नहीं हो जाता तब तक अंतिम खाते, एक व्यापार की वास्तविक तथा उचित अवस्था को प्रदर्शित नहीं करेंगे। अतः अन्तिम खाते बनाते समय समायोजन प्रविष्टियों का अभिलेखन किया जाना आवश्यक होता है।

प्रश्न 2 अंतिम स्टॉक से क्या आशय है? अंतिम खातों में इसका व्यवहार दर्शाइये।

उत्तर – अन्तिम स्टॉक/रहतिया-जो बिना बिका माल लेखा वर्ष के अन्त में व्यापारी के गोदाम में विद्यमान रहता है, उसे वर्ष का अन्तिम स्टॉक/रहतिया कहते हैं । इसका मूल्यांकन लागत या बाजार मूल्य, दोनों में से जो भी कम हो, उस पर किया जाता है।

अन्तिम खातों में इसका लेखा व्यापार खाते के क्रेडिट पक्ष में तथा तुलन-पत्र/चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में किया जाता है। यदि अन्तिम रहतिया तलपट में दिया गया है तो उसका लेखा केवल तुलन-पत्र/चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में ही किया जायेगा। अन्तिम रहतिया कच्चे माल, अर्द्ध-निर्मित माल तथा निर्मित माल का होता है।

प्रश्न 3 अर्थ समझाइये

(क) बकाया व्यय



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(ख) पूर्वदत्त व्यय

(ग) अग्रिम प्राप्त आय

(घ) उपार्जित आय

उत्तर – **(क)बकाया/अदत्त व्यय (Outstanding Expenses):** ऐसे व्यय जिनका सम्बन्ध वर्तमान लेखा अवधि से होता है लेकिन इनका भुगतान इस लेखा अवधि में नहीं किया गया है तो ऐसे व्यय बकाया/अदत्त व्यय कहलाते हैं।

**(ख) पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expenses):** ऐसे व्यय जिनका सम्बन्ध आगामी लेखा अवधि से है परन्तु उनका भुगतान चालू लेखा अवधि में कर दिया जाता है तो ऐसे व्ययों के भुगतानों को पूर्वदत्त व्यय कहते हैं।

**(ग) अग्रिम प्राप्त आय (Income received in advance):** ऐसी आय जो आने वाली या भावी लेखा अवधि से सम्बन्धित है और चालू लेखा अवधि में ही प्राप्त हो जाती है तो यह चालू लेखा अवधि की आय न होने से चालू लेखा अवधि के लिए अग्रिम प्राप्त आय कहलाती है।

**(घ) उपार्जित आय (Accrued Income):** ऐसी आय जो चालू लेखांकन वर्ष के दौरान अर्जित की गई है लेकिन वास्तव में चालू वर्ष के दौरान उसकी प्राप्ति नहीं हुई है, तो इस प्रकार की आय, उपार्जित आय कहलाती है।

प्रश्न 4 आय विवरण और तुलन-पत्र का लम्बवत् प्रारूप बनाइये।

उत्तर – [नोट-पुस्तक में आय विवरण और तुलन-पत्र का लम्बवत् प्रारूप नहीं दिया गया है। अतः इस प्रश्न के उत्तर में व्यापारिक एवं लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र का साधारण प्रारूप दिया जा रहा है। कम्पनी की स्थिति में आय विवरण एवं तुलन-पत्र के लम्बवत् प्रारूप के बारे में आप कक्षा 12 में पढ़ेंगे।]



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**Trading and Profit & Loss Account of.....**

**Dr.** **for the year ended March 31, .....** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | ..... | By Sales | ..... | |
| To Purchases | ..... | | *Less* : Returns | ..... | ..... |
| *Less* : Returns | ..... | ..... | By Closing Stock | | ..... |
| To Wages | | ..... | By Gross Loss c/d | | ..... |
| To Carriage Inwards | | ..... | | | |
| ⋮ | | | | | |
| To Gross Profit c/d | | ..... | | | |
| | | ..... | | | ..... |
| To Gross Loss b/d | | ..... | By Gross Profit b/d | | ..... |
| To Rent, Rates & Taxes | | ..... | By Interest Received | | ..... |
| To Salaries | | ..... | ⋮ | | |
| To Bad Debts | | ..... | | | |
| ⋮ | | | By Net Loss (transferred to Capital a/c) | | ..... |
| To Net Profit (transferred to Capital a/c) | | ..... | | | |
| | | ..... | | | ..... |

**Balance Sheet as at .....**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| Capital | ..... | | Goodwill | ..... |
| *Add* : Net Profit | | | Land and Buildings | ..... |
| or | | | Furniture | ..... |
| *Less* : Net Loss | ..... | ..... | Sundry Debtors | ..... |
| Long-term Loan | | ..... | Bills Receivables | ..... |
| Short-term Loan | | ..... | Closing Stock | ..... |
| Sundry Creditors | | ..... | Bank | ..... |
| Bills Payable | | ..... | Cash | ..... |
| Bank Overdraft | | ..... | | |
| | | ..... | | ..... |

1. टिप्पणी: 'सकल लाभ एवं सकल हानि' तथा 'शुद्ध लाभ एवं शुद्ध हानि' में से एक की ही गणना होगी।
2. प्रारूप में सीमित मदें ही दी गई हैं।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 5 अंतिम खाते बनाते समय, संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर – व्यवहार में व्यापार में देखा जाता है कि अनेक बार सभी देनदारों से पूरी राशि प्राप्त नहीं हो पाती है। लेकिन भविष्य में प्राप्त न हो सकने वाली सही राशि ज्ञात होना भी कठिन होता है। अतः व्यापारी द्वारा इस प्रकार की हानि का एक उचित अनुमान लगाया जाता है, जो संदिग्ध ऋण कहलाता है। इसके लिए अनिश्चितता की स्थिति से बचने के लिए संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 6 निम्न को अभिलेखित करने के लिये कौन सी समायोजन प्रविष्टि की जायेंगी (क) ह्रास (ख) देनदारों पर बट्टा (ग) पूँजी पर ब्याज (घ) प्रबंधक का कमीशन

उत्तर –

(क) ह्रास

| | | |
|---|---|---|
| Depreciation a/c | Dr. | |
| To Respective Assets a/c | | |
| (Being Depreciation charged) | | |

(ख) देनदारों पर बट्टा

| | | |
|---|---|---|
| Discount a/c | Dr. | |
| To Debtors a/c | | |
| (Being discount allowed to Debtors) | | |

(ग) पूँजी पर ब्याज

| | | |
|---|---|---|
| Interest on Capital a/c | Dr. | |
| To Capital a/c | | |
| (Being interest on Capital charged) | | |

(घ) प्रबंधक का कमीशन



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Manager's Commission a/c Dr.
To Outstanding Manager's Commission a/c
(Being Commission payable to Manager)

प्रश्न 7 देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान से क्या आशय है?

उत्तर – एक व्यापारिक संस्थान अपने देनदारों को तुरन्त भुगतान हेतु प्रेरित करने के लिये बट्टा देती है। लेखांकन वर्ष में ग्राहक को दिये गए बट्टे की राशि का अनुमान, देनदारों पर बट्टे का प्रावधान बनाकर लगाया जायेगा। लाभ-हानि खाते से इस प्रावधान को बनाया जायेगा। इसे ही देनदारों पर बट्टे के लिए प्रावधान कहा जायेगा। बट्टे का प्रावधान अच्छे देनदारों पर बनाया जाता है जो कि अन्य डूबत ऋण तथा संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान की राशि को घटाकर प्राप्त होते हैं।

प्रश्न 8 निम्न समायोजनों के लिये रोजनामचा प्रविष्टि लिखें

(क) बकाया वेतन 3,500 रुपये।

(ख) 6,000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से एक तिमाही का पूर्वदत्त बीमा।

(ग) 16,000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से एक तिमाही का पूर्वदत्त बीमा।

(घ)7,000 रुपये की लागत का फर्नीचर क्रय किया तथा क्रय पुस्तक में लिखा गया।

उत्तर –

| | | ₹ | ₹ |
|---|---|---|---|
| **(क) बकाया वेतन 3,500 रुपये—** | | | |
| Salary a/c | Dr. | 3,500 | |
| To Salary Outstanding a/c | | | 3,500 |
| **(ख) 6,000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से एक तिमाही का पूर्वदत्त बीमा—** | | | |
| Prepaid Insurance a/c | Dr. | 1,500 | |
| To Insurance a/c | | | 1,500 |
| $(6,000 \times \frac{3}{12} = 1,500)$ | | | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**(ग) 16,000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से एक तिमाही का पूर्वदत्त बीमा—**

| | | | |
|---|---|---|---|
| Prepaid Insurance a/c | Dr. | 4,000 | |
| To Insurance a/c | | | 4,000 |

$$(16{,}000 \times \frac{3}{12} = 4{,}000)$$

**(घ) 7,000 रुपये की लागत का फर्नीचर क्रय किया तथा क्रय पुस्तक में लिखा गया—**

| | | | |
|---|---|---|---|
| Furniture a/c | Dr. | 7,000 | |
| To Purchases a/c | | | 7,000 |

## निबन्धात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1 समायोजन प्रविष्टि क्या है? अंतिम खाते बनाते समय यह क्यों आवश्यक है?

उत्तर – समायोजन प्रविष्टि से आशय-लेखांकन की अवधारणाओं एवं परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए अन्तिम खाते बनाने से पूर्व ज्ञात समायोजनों के लिए जो प्रविष्टियाँ की जाती हैं उन्हें 'समायोजन प्रविष्टियाँ' कहते हैं। समायोजन प्रविष्टियाँ करने के पीछे मूल उद्देश्य यह होता है कि लेखा वर्ष से सम्बन्धित समस्त आयों एवं लाभों को लेखांकित कर दिया गया है चाहे वे प्राप्त हुए हों या नहीं तथा लेखा वर्ष से सम्बन्धित समस्त व्ययों एवं हानियों को लेखांकित कर दिया गया है चाहे उनका भुगतान हुआ है या नहीं।

समायोजन प्रविष्टियों की आवश्यकता-अन्तिम खाते बनाते समय समायोजन प्रविष्टियों की आवश्यकता निम्नानुसार है

1. लेखा पुस्तकों में भूल-चूक से दर्ज न किये गये व्यवहारों को दर्ज करना।
2. लेखा पुस्तकों में व्यवहार के एक पक्ष को ही दर्ज करने के कारण अपूर्ण खातों को पूर्ण करना।
3. उपार्जित किन्तु अप्राप्त आयों को लेखा पुस्तकों में दर्ज करना।
4. बकाया व्ययों को लेखा पुस्तकों में दर्ज करना।
5. अनुपार्जित आय तथा पूर्वदत्त व्ययों का लेखा पुस्तकों में लेखा न करना।
6. जाँच द्वारा लेखा पुस्तकों से ज्ञात अशुद्धियों का सुधार करना।
7. व्यवसाय के लाभ-हानि खाते द्वारा व्यवसाय के सही एवं उचित लाभ-हानि की स्थिति प्रकट करना।
8. व्यवसाय के तुलन-पत्र द्वारा व्यवसाय की सही एवं उचित आर्थिक स्थिति प्रकट करना।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

9. लेखांकन परम्पराओं एवं अवधारणाओं की पालना सुनिश्चित करना।

10. वित्तीय वर्ष से सम्बन्धित ह्रास, अप्राप्य एवं अशोध्य ऋण प्रावधान एवं संचय तथा पूँजी एवं आहरण पर ब्याज आदि के सम्बन्ध में सही एवं पूर्ण लेखा करना।

प्रश्न 2 संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान से आप क्या समझते हैं ? इससे संबंधित खाते किस प्रकार बनाये जाते हैं तथा अंतिम खातों में रोजनामचा प्रविष्टि क्या होगी? संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान की राशि गणना किस प्रकार करेंगे?

उत्तर – संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान: प्रत्येक लेखांकन वर्ष के अन्त में विविध देनदार होते हैं जो कि आगामी वर्ष के दौरान अनुमानित प्राप्त मूल्य है। यह सम्भव है कि भविष्य में समस्त राशि प्राप्त न हो। यद्यपि यह भी सम्भव नहीं है कि इस प्रकार के डूबत ऋण की सही राशि ज्ञात की जा सके। अत: इस प्रकार की हानियों का उचित अनुमान लगाकर इसके लिए वर्तमान लेखा वर्ष के लाभ से प्रावधान किया जाता है ताकि व्यवसाय के सही लाभ का अनुमान लगाया जा सके। इस प्रकार प्रावधान ही संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान कहलाता है।

प्रावधान से सम्बन्धित खाते- इसके लिए संदिग्ध ऋण प्रावधान खाता तथा लाभ-हानि खाता तैयार किया जाता

**Dr. Provision for Doubtful Debts Account Cr.**

| Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ | Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | To Bad Debts a/c | | — | | By Balance b/d | | — |
| | To Balance c/d | | — | | By Profit & Loss a/c | | — |
| | | | — | | | | — |

**Dr. Profit and Loss a/c for the year ending ..... Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| To Bad Debts | — | | | |
| *Add* : Further Bad Debts | — | | | |
| *Add* : (New Provision for Doubtful Debts) | — | | | |
| *Less* : (Old Provision for Doubtful Debts) | — | — | | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

अन्तिम खाते बनाते समय चिट्ठे के परिसम्पत्ति पक्ष में विविध देनदारों में से घटाकर दर्शाया जाता है। रोजनामचा प्रविष्टि (Journal Entry)

**Journal**

| Date | Particulars | L. F. | Amount in ₹ Debit | Credit |
|---|---|---|---|---|
| | Profit & Loss a/c Dr.<br>To Provision for Doubtful Debts a/c<br>(Provision for Doubtful Debts made on Sundry Debtors.) | | | |

प्रावधान राशि की गणना-कुल देनदारों में से डूबत ऋण की राशि घटाकर शेष पर निश्चित प्रतिशत के आधार पर प्रावधान राशि की गणना की जाती है।

उदाहरण: वर्ष के अन्त में विविध देनदार -50,500 ₹, अन्य डूबत ऋण-500 ₹, संदिग्ध ऋण प्रावधान-5%

| | ₹ |
|---|---|
| वर्षान्त विविध देनदार | 50,500 |
| घटाया : अन्य डूबत ऋण | 500 |
| | 50,000 |
| घटाया : 5% प्रावधान (50,000 ₹ का 5%) | 2,500 |
| चिट्ठे में दिखाई जाने वाली राशि | 47,500 |

प्रश्न 3 अंतिम खाते बनाते समय, पूर्वदत्त व्यय, ह्रास और अंतिम स्टॉक का व्यवहार किस प्रकार करेंगे, यदि:

(क) यदि तलपट में दिये हों,

(ख) यदि तलपट से बाहर हों?

उत्तर – अन्तिम खाते बनाते समय व्यवहार विवरण:

(क) यदि तलपट में दिये हों

(ख) यदि तलपट से बाहर हों य. केवल तुलन-पत्र में सम्पत्ति पक्ष लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में सम्बन्धित व्यय में से घटाकर



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| विवरण | (क) यदि तलपट में दिये हों | (ख) यदि तलपट से बाहर हों |
|---|---|---|
| 1. पूर्वदत्त व्यय | केवल तुलन-पत्र में सम्पत्ति पक्ष की ओर दिखाया जायेगा। | लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में सम्बन्धित व्यय में से घटाकर तथा तुलन-पत्र में सम्पत्ति पक्ष की ओर दिखाया जायेगा। |
| 2. ह्रास | केवल लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में दिखायेंगे। | लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में तथा तुलन-पत्र में सम्पत्ति पक्ष में सम्बन्धित सम्पत्ति में से घटाकर दिखायेंगे। |
| 3. अन्तिम स्टॉक | केवल तुलन-पत्र में सम्पत्ति पक्ष की ओर दिखायेंगे। | व्यापारिक खाते के क्रेडिट पक्ष में तथा तुलन-पत्र के सम्पत्ति पक्ष में प्रदर्शित करेंगे। |

**अंकिक प्रश्न**:

प्रश्न 1 राहुल संस से लिये गये शेषों से 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनाइये तथा वर्ष के अन्त में तुलन-पत्र भी बनाइये।

| खाता शीर्षक | राशि (₹) | खाता शीर्षक | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| स्टॉक (Stock) | 50,000 | विक्रय (Sales) | 1,80,000 |
| मजदूरी (Wages) | 3,000 | क्रय वापसी (Purchases Return) | 2,000 |
| वेतन (Salaries) | 8,000 | प्राप्त बट्टा (Discount Received) | 500 |
| क्रय (Purchases) | 1,75,000 | संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान | |
| विक्रय वापसी (Sales Return) | 3,000 | (Provision for Doubtful Debts) | 2,500 |
| विविध देनदार (Sundry Debtors) | 82,000 | पूँजी (Capital) | 3,00,000 |
| बट्टा दिया (Discount Allowed) | 1,000 | देय विपत्र (Bills Payable) | 22,000 |
| बीमा (Insurance) | 3,200 | प्राप्त कमीशन (Commission Received) | 4,000 |
| किराया, दरें व कर | | किराया (Rent) | 6,000 |
| (Rent, Rates and Taxes) | 4,300 | ऋण (Loan) | 34,800 |
| फिक्सचर व फिटिंग्स | | | |
| (Fixtures and Fittings) | 20,000 | | |
| व्यापारिक व्यय (Trade Expenses) | 1,500 | | |
| डूबत ऋण (Bad Debts) | 2,000 | | |
| आहरण (Drawings) | 32,000 | | |
| मरम्मत एवं नवीनीकरण व्यय | | | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| (Repair and Renewals) | 1,600 | | |
| यात्रा व्यय (Travelling Expenses) | 4,200 | | |
| डाक (Postage) | 300 | | |
| तार व्यय (Telegram Expenses) | 200 | | |
| कानूनी शुल्क (Legal Fees) | 500 | | |
| प्राप्य विपत्र (Bills Receivable) | 50,000 | | |
| भवन (Building) | 1,10,000 | | |
| | 5,51,800 | | 551,800 |

**समायोजन :**

(1) अग्रिम प्राप्त कमीशन 1,000 रुपये।

(2) अप्राप्य किराया 2,000 रुपये।

(3) बकाया वेतन 1,000 रुपये और पूर्वदत्त बीमा 800 रुपये।

(4) अन्य डूबत ऋण 1,000 रुपये तथा देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान तथा देनदारों पर 2 % की दर से बट्टा।

(5) अंतिम स्टॉक 32,000 रुपये।

(6) भवन पर ह्यस 6% वार्षिक की दर से।

उत्तर –

**Books of Rahul Sons**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

**Dr.** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 50,000 | By Sales | 1,80,000 | |
| To Purchases | 1,75,000 | | *Less* : Sales Return | – 3,000 | 1,77,000 |
| *Less* : Purchases Return | – 2,000 | 1,73,000 | By Closing Stock | | 32,000 |
| To Wages | | | By Gross Loss c/d | | 17,000 |
| | | 2,26,000 | | | 2,26,000 |
| To Gross Loss b/d | | 17,000 | By Discount Received | | 500 |
| To Repair and Renewals | | 1,600 | By Commission Received | 4,000 | |
| To Discount Allowed | | 1,000 | *Less* : Received in Advance | –1,000 | 3,000 |
| To Salaries | 8,000 | | By Rent | 6,000 | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| *Add* : Outstanding | 1,000 | 9,000 | *Add* : Accrued | 2,000 | 8,000 |
| To Insurance | 3,200 | | By Net Loss | | 43,189 |
| *Less* : Prepaid | 800 | 2,400 | (transferred to Capital a/c) | | |
| To Rent, Rates and Taxes | | 4,300 | | | |
| To Trade Expenses | | 1,500 | | | |
| To Bad Debts | 2,000 | | | | |
| *Add* : Further Bad Debts | 1,000 | | | | |
| *Add* : New Provision for D.D. | 4,050 | | | | |
| | 7,050 | | | | |
| *Less* : Old Provision for D.D. | 2,500 | 4,550 | | | |
| To Provision for Dis. on Debtors | | 1,539 | | | |
| To Travelling Expenses | | 4,200 | | | |
| To Postage | | 300 | | | |
| To Telegram Expenses | | 200 | | | |
| To Legal Fees | | 500 | | | |
| To Depreciation on Building | | 6,600 | | | |
| | | 54,689 | | | 54,689 |

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 3,00,000 | | Builiding | 1,10,000 | |
| *Less* : Net Loss | (43,189) | | *Less* : Depreciation | – 6,600 | 1,03,400 |
| *Less* : Drawings | (32,000) | 2,24,811 | Bills Receivables | | 50,000 |
| Loan | | 34,800 | Fixtures & Fittings | | 20,000 |
| Bills Payable | | 22,000 | Sundry Debtors | 82,000 | |
| Outstanding Salary | | 1,000 | *Less* : Further Bad Debts | – 1,000 | |
| Commission Received in Advance | | 1,000 | | 81,000 | |
| | | | *Less* : New Provision for D.D. | –4,050 | |
| | | | | 76,950 | |
| | | | *Less* : Provision for Discount on Debts | –1,539 | 75,411 |
| | | | Closing Stock | | 32,000 |
| | | | Prepaid Insurance | | 800 |
| | | | Accrued Rent | | 2,000 |
| | | 2,83,611 | | | 2,83,611 |

प्रश्न 2 ग्रीन क्लब लिमिटेड के तलपट से ली गई निंन संख्याओं से 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनाइये:



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| खाता शीर्षक | राशि (₹) | खाता शीर्षक | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| आरंभिक स्टॉक (Opening Stock) | 35,000 | विक्रय (Sales) | 2,50,000 |
| क्रय (Purchases) | 1,25,000 | क्रय वापसी (Purchases Return) | 6,000 |
| विक्रय वापसी (Return Inwards) | 25,000 | लेनदार (Creditors) | 10,000 |
| डाक व तार (Postage and Telegram) | 600 | देय विपत्र (Bills Payable) | 20,000 |
| वेतन (Salaries) | 12,300 | बट्टा (Discount) | 1,000 |
| मजदूरी (Wages) | 3,000 | संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान | |
| किराया एवं दर (Rent and Rates) | 1,000 | (Provision for Bad Debts) | 4,500 |
| पैकेजिंग व परिवहन | | प्राप्त ब्याज (Interest Received) | 5,400 |
| (Packaging and Transport) | 500 | पूँजी (Capital) | 75,000 |
| सामान्य व्यय (General Expenses) | 400 | | |
| बीमा (Insurance) | 4,000 | | |
| देनदार (Debtors) | 50,000 | | |
| हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand) | 20,000 | | |
| बैंक में रोकड़ (Cash at Bank) | 40,000 | | |
| मशीनरी (Machinery) | 20,000 | | |
| बिजली और ऊर्जा | | | |
| (Lighting and Heating) | 5,000 | | |
| बट्टा (Discount) | 3,500 | | |
| डूबत ऋण (Bed Debts) | 3,500 | | |
| विनियोग (Investment) | 23,100 | | |
| | 3,71,900 | | 3,71,900 |

समायोजन :

(1) मशीनरी पर 5% वर्षिक की दर से ह्रास लगायें।

(2) अन्य डूबत ऋण 1,500 रुपये, देनदारों पर बट्टा 5% की दर से तथा देनदारों पर 6% का प्रावधान करें।

(3) पूर्वदत्त मजदूरी 1,000 रु. है।

(4) विनियोगों पर 5% वार्षिक की दर से ब्याज है।

(5) अंतिम स्टॉक 10,000 रु. है।

उत्तर –



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**Books of Green Club Limited**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 35,000 | By Sales | 2,50,000 | |
| To Purchases | 1,25,000 | | *Less* : Sales Return | 25,000 | 2,25,000 |
| *Less* : Purchases Returns | 6,000 | 1,19,000 | By Closing Stock | | 10,000 |
| To Wages | 3,000 | | | | |
| *Less* : Prepaid | 1,000 | 2,000 | | | |
| To Gross Profit c/d | | 79,000 | | | |
| | | 2,35,000 | | | 2,35,000 |
| To Bad Debts | 3,500 | | By Gross Profit b/d | | 79,000 |
| *Add* : Further Bad Debts | 1,500 | | By Interest Accrued on Investments | | 1,155 |
| *Add* : New Provision | 2,910 | | By Discount | | 1,000 |
| | 7,910 | | By Interest Received | | 5,400 |
| *Less* : Old Provision | 4,500 | 3,410 | | | |
| To Prov. for Discount on Debtors | | 2,280 | | | |
| To Postage and Telegram | | 600 | | | |
| To Salaries | | 12,300 | | | |
| To Rent and Rates | | 1,000 | | | |
| To Packaging and Transport | | 500 | | | |
| To General Expenses | | 400 | | | |
| To Insurance | | 4,000 | | | |
| To Discount | | 3,500 | | | |
| To Depreciation on Machinery | | 1,000 | | | |
| To Lighting and Heating | | 5,000 | | | |
| To Net Profit (transferred to Capital a/c) | | 52,565 | | | |
| | | 86,555 | | | 86,555 |

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 75,000 | | Machinery | 20,000 | |
| *Add* : Net Profit | 52,565 | 1,27,565 | *Less* : Depreciation | 1,000 | 19,000 |
| Creditors | | 10,000 | Investments | 23,100 | |
| Bills Payables | | 20,000 | *Add* : Intt. on Investments | 1,155 | 24,255 |
| | | | Debtors | 50,000 | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | *Less* : Further Bad Debts | 1,500 | |
| | | *Less* : New Prov. for D.D. | 2,910 | |
| | | *Less* : Provision for Discount on Debtors | 2,280 | 43,310 |
| | | Closing Stock | | 10,000 |
| | | Prepaid Wages | | 1,000 |
| | | Cash in Hand | | 20,000 |
| | | Cash at Bank | | 40,000 |
| | 1,57,565 | | | 1,57,565 |

प्रश्न 3 निम्न शेष रनवे शाइन लिमिटेड की पुस्तकों से लिये गये हैं। 31 मार्च, 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

| खाता शीर्षक | राशि (₹) | खाता शीर्षक | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| क्रय (Purchases) | 1,50,000 | विक्रय (Sales) | 2,50,000 |
| आरंभिक स्टॉक (Opening Stock) | 50,000 | क्रय वापसी (Return Outwards) | 4,500 |
| विक्रय वापसी (Return Inwards) | 2,000 | प्राप्त ब्याज (Interest Received) | 3,500 |
| आंतरिक ढुलाई भाड़ा (Carriage Inwards) | 4,500 | प्राप्त बट्टा (Discount Received) | 400 |
| हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand) | 77,800 | लेनदार (Creditors) | 1,25,000 |
| बैंक में रोकड़ (Cash at Bank) | 60,800 | देय विपत्र (Bills Payable) | 6,040 |
| मजदूरी (Wages) | 2,400 | पूँजी (Capital) | 1,00,000 |
| छपाई व लेखन सामग्री (Printing and Stationery) | 4,500 | | |
| बट्टा (Discount) | 400 | | |
| डूबत ऋण (Bad Debts) | 1,500 | | |
| बीमा (Insurance) | 2,500 | | |
| विनियोग (Investments) | 32,000 | | |
| देनदार (Debtors) | 53,000 | | |
| प्राप्य विपत्र (Bills Receivables) | 20,000 | | |
| डाक एवं तार व्यय (Postage and Telegraph) | 400 | | |
| कमीशन (Commission) | 200 | | |
| ब्याज (Interest) | 1,000 | | |
| मरम्मत (Repair) | 440 | | |
| बिजली व्यय (Lighting Charges) | 500 | | |
| टेलीफोन व्यय (Telephone Charges) | 100 | | |
| बाह्य ढुलाई भाड़ा (Carriage Outwards) | 400 | | |
| मोटर कार (Motor Car) | 25,000 | | |
| | 4,89,440 | | 4,89,440 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

समायोजन :

(1) अतिरिक्त डूबत ऋण 1,000 रुपये, देनदारों पर बट्टा 500 रुपये तथा देनदारों पर प्रावधान 5 % की दर से करें ।

(2) विनियोग पर 5 % की दर से ब्याज प्राप्त होगा।

(3) बकाया मजदूरी तथा ब्याज 100 रुपये तथा 200 रुपये क्रमानुसार हैं।

(4) मोटर कार पर 5 % वार्षिक की दर से ह्रास लगायें।

(5) अंतिम स्टॉक 32.500 रुपये।

उत्तर –

**Books of Runway Shine Ltd.**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

**Dr.** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 50,000 | By Sales | 2,50,000 | |
| To Purchases | 1,50,000 | | *Less* : Return Inwards | 2,000 | 2,48,000 |
| *Less* : Return Outwards | 4,500 | 1,45,500 | By Closing Stock | | 32,500 |
| To Carriage Inwards | | 4,500 | | | |
| To Wages | 2,400 | | | | |
| *Add* : Outstanding | 100 | 2,500 | | | |
| To Gross Profit c/d | | 78,000 | | | |
| | | 2,80,500 | | | 2,80,500 |
| To Carriage Outwards | | 400 | By Gross Profit b/d | | 78,000 |
| To Printing and Stationery | | 4,500 | By Interest Received | | 3,500 |
| To Discount | | 400 | By Discount Received | | 400 |
| To Bad Debts | 1,500 | | By Interest Receivable on | | |
| *Add* : Further Bad Debts | 1,000 | | Investments | | 1,600 |
| *Add* : New Provision for D.D. | 2,600 | 5,100 | | | |
| To Provision for Dis. on Debtors | | 500 | | | |
| To Insurance | | 2,500 | | | |
| To Postage and Telegraph | | 400 | | | |
| To Commission | | 200 | | | |
| To Interest | 1,000 | | | | |
| *Add* : Outstanding | 200 | 1,200 | | | |
| To Repair | | 440 | | | |
| To Lighting Charges | | 500 | | | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| To Telephone Charges | 100 | | |
| To Depreciation on Motor Car | 1,250 | | |
| To Net Profit (transferred to Capital a/c) | 66,010 | | |
| | 83,500 | | 83,500 |

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 1,00,000 | | Motor Car | 25,000 | |
| *Less* : Net Profit | 66,010 | 1,66,010 | *Less* : Depreciation | 1,250 | 23,750 |
| Creditors | | 1,25,000 | Investment | 32,000 | |
| Bills Payable | | 6,040 | *Add* : Interest | 1,600 | 33,600 |
| Outstanding : Wages | 100 | | Debtors | 53,000 | |
| Interest | 200 | 300 | *Less* : Further Bad Debts | 1,000 | |
| | | | *Less* : New Prov. for D.D. | 2,600 | |
| | | | *Less* : Provision for Discount on Debtors | 500 | 48,900 |
| | | | Bills Receivables | | 20,000 |
| | | | Closing Stock | | 32,500 |
| | | | Cash in Hand | | 77,800 |
| | | | Cash at Bank | | 60,800 |
| | | 2,97,350 | | | 2,97,350 |

प्रश्न 4 निम्न सूचनाओं से 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिये, इंडियन स्पोर्ट्स हाउस का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

| खाता शीर्षक | राशि (₹) | खाता शीर्षक | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| आहरण (Drawings) | 20,000 | पूँजी (Capital) | 2,00,000 |
| विविध देनदार (Sundry Debtors) | 80,000 | क्रय वापसी (Return Outwards) | 2,000 |
| डूबत ऋण (Bad Debts) | 1,000 | बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft) | 12,000 |
| व्यापार व्यय (Trade Expenses) | 2,400 | संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान (Provision for Bad Debts) | 4,000 |
| छपाई व लेखन सामग्री (Printing and Stationery) | 2,000 | विविध लेनदार (Sundry Creditors) | 60,000 |
| किराया, दर व कर (Rent, Rates and Taxes) | 5,000 | देय विपत्र (Bills Payable) | 15,400 |
| भाड़ा (Freight) | 4,000 | विक्रय (Sales) | 2,76,000 |
| विक्रय वापसी (Return Inwards) | 7,000 | | |
| आरंभिक स्टॉक (Opening Stock) | 25,000 | | |
| क्रय (Purchases) | 1,80,000 | | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| फर्नीचर तथा फिक्सचर (Furniture and Fixtures) | 20,000 | | |
| मशीनरी तथा संयन्त्र (Plant and Machinery) | 1,00,000 | | |
| प्राप्य विपत्र (Bills Receivable) | 14,000 | | |
| मजदूरी (Wages) | 10,000 | | |
| हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand) | 6,000 | | |
| बट्टा दिया (Discount allowed) | 2,000 | | |
| विनियोग (Investments) | 40,000 | | |
| मोटर कार (Motor Car) | 51,000 | | |
| | 5,69,400 | | 5,69,400 |

समायोजन :

(1) अंतिम स्टॉक 45,000 रुपये है।

(2) संदिग्ध ऋणों के लिये देनदारों पर 2 % की दर से प्रावधान बनायें।

(3) फर्नीचर तथा फिक्सचर पर 5 % की दर से, मशीनरी तथा संयन्त्र पर 6 % की दर से तथा मोटर कार पर 10 % की दर से ह्रास लगायें।

(4) 01 अक्टूबर, 2016 को 30,000 रुपये की मशीन क्रय की गई।

(5) प्रबंधक को निवल लाभ का 10 % कमीशन दिया जायेगा ( कमीशन लगने के पश्चात् )।

उत्तर –

**Books of Indian Sports House**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

**Dr.** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 25,000 | By Sales | 2,76,000 | |
| To Purchases | 1,80,000 | | *Less* : Return Inwards | 7,000 | 2,69,000 |
| *Less* : Return Outwards | 2,000 | 1,78,000 | By Closing Stock | | 45,000 |
| To Wages | | 10,000 | | | |
| To Gross Profit c/d | | 1,01,000 | | | |
| | | 3,14,000 | | | 3,14,000 |
| To Freight | | 4,000 | By Gross Profit b/d | | 1,01,000 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| To Trade Expenses | | 2,400 | By Old Prov. for Bad debts | 4,000 | |
| To Printing and Stationery | | 2,000 | *Less* : Bad Debts | – 1,000 | |
| To Rent, Rates and Taxes | | 5,000 | *Less* : New Provision | – 1,600 | 1,400 |
| To Discount Allowed | | 2,000 | | | |
| To Depreciation : | | | | | |
| Furniture and Fixtures | 1,000 | | | | |
| Plant and Machinery (4,200 + 900) | 5,100 | | | | |
| Motor Car | 5,100 | 11,200 | | | |
| To Manager's Commission | | 6,891 | | | |
| To Net Profit (transferred to Capital a/c) | | 68,909 | | | |
| | | 1,02,400 | | | 1,02,400 |

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 2,00,000 | | Plant and Machinery | 1,00,000 | |
| *Add* : Net Profit | 68,909 | | *Less* : Depreciation | 5,100 | 94,900 |
| | 2,68,909 | | Furniture and Fixtures | 20,000 | |
| *Less* : Drawings | 20,000 | 2,48,909 | *Less* : Depreciation | 1,000 | 19,000 |
| Sundry Creditors | | 60,000 | Motor Car | 51,000 | |
| Bills Payable | | 15,400 | *Less* : Depreciation | 5,100 | 45,900 |
| Bank Overdraft | | 12,000 | Investments | | 40,000 |
| Outstanding Manager's Commission | | 6,891 | Sundry Debtors | 80,000 | |
| | | | *Less* : New Provision | 1,600 | 78,400 |
| | | | Bills Receivable | | 14,000 |
| | | | Closing Stock | | 45,000 |
| | | | Cash in Hand | | 6,000 |
| | | 3,43,200 | | | 3,43,200 |

टिप्पणियाँ:

(1) मैनेजर के कमीशन की गणना $\frac{10}{110} \times 75,800 = ₹ 6,891$

(2) संयंत्र एवं मशीनरी पर ₹ 70,000 पर एक वर्ष का तथा ₹ 30,000 की नई मशीन पर 6 माह का ह्रास लगाया गया है।

प्रश्न 5 नीचे दिये गये विवरण से शाईन लिमिटेड का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| खाता शीर्षक | राशि (₹) | खाता शीर्षक | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| विविध देनदार (Sundry Debtors) | 1,00,000 | देय विपत्र (Bills Payable) | 85,550 |
| डूबत ऋण (Bad Debts) | 3,000 | विविध लेनदार (Sundry Creditors) | 25,000 |
| व्यापार व्यय (Trade Expenses) | 2,500 | संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान | |
| छपाई व लेखन सामग्री | | (Provision for Bad Debts) | 1,500 |
| (Printing and Stationery) | 5,000 | क्रय वापसी (Return Outwards) | 4,500 |
| किराया, दरें व कर | | पूँजी (Capital) | 2,50,000 |
| (Rent, Rates and Taxes) | 3,450 | प्राप्त बट्टा (Discount Received) | 3,500 |
| भाड़ा (Freight) | 2,250 | प्राप्त ब्याज (Interest Received) | 11,260 |
| विक्रय वापसी (Sales Return) | 6,000 | विक्रय (Sales) | 1,00,000 |
| मोटर कार (Motor Car) | 25,000 | | |
| प्रारंभिक स्टॉक (Opening Stock) | 75,550 | | |
| फर्नीचर व फिक्चर्स | | | |
| (Furniture and Fixtures) | 15,500 | | |
| क्रय (Purchases) | 75,000 | | |
| आहरण (Drawings) | 13,560 | | |
| विनियोग (Investments) | 65,500 | | |
| हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand) | 36,000 | | |
| बैंक में रोकड़ (Cash at Bank) | 53,000 | | |
| | 4,81,310 | | 4,81,310 |

समायोजन :

(1) अंतिम स्टॉक का मूल्य 35,000 रुपये है।

(2) फर्नीचर व फिक्चर्स पर 5 % की दर से ह्रास लगायें।

(3) अतिरिक्त डूबत ऋण 1,000 रुपये। विविध देनदारों पर डूबत ऋण के लिये 5 % की दर से प्रावधान करें।

(4) मोटर कार पर 10 % की दर से ह्रास लगायें।

(5) आहरण पर 6 % की दर से ब्याज लगायें।

(6) बकाया किराया, दर व कर 200 रुपये है।

(7) देनदारों पर 2 % बट्टा लगायें।

उत्तर –



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**Books of Shine Ltd.**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

**Dr.** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 75,550 | By Sales | 1,00,000 | |
| To Purchases | 75,000 | | *Less* : Sales Return | 6,000 | 94,000 |
| *Less* : Return Outwards | 4,500 | 70,500 | By Closing Stock | | 35,000 |
| | | | By Gross Loss c/d | | 17,050 |
| | | 1,46,050 | | | 1,46,050 |
| To Gross Loss b/d | | 17,050 | By Discount Received | | 3,500 |
| To Bad Debts | 3,000 | | By Interest Received | | 11,260 |
| *Add* : Further Bad Debts | 1,000 | | By Interest on Drawings | | 814 |
| *Add* : New Provision | 4,950 | | By Net Loss | | 27,482 |
| | 8,950 | | (transferred to Capital a/c) | | |
| *Less* : Old Provision | 1,500 | 7,450 | | | |
| To Discount on Debtors | | 1,881 | | | |
| To Trade Expenses | | 2,500 | | | |
| To Printing and Stationery | | 5,000 | | | |
| To Rent, Rates and Taxes | 3,450 | | | | |
| *Add* : Outstanding | 200 | 3,650 | | | |
| To Freight | | 2,250 | | | |
| To Depreciation : Motor Car | | 2,500 | | | |
| Furniture & Fixtures | | 775 | | | |
| | | 43,056 | | | 43,056 |

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 2,50,000 | | Investments | | 65,500 |
| *Less* : Net Loss | 27,482 | | Furniture and Fixtures | 15,500 | |
| | 2,22,518 | | *Less* : Depreciation | 775 | 14,725 |
| *Less* : Drawings | 13,560 | | Motor Car | 25,000 | |
| *Less* : Intt. on Drawings | 814 | 2,08,144 | *Less* : Depreciation | 2,500 | 22,500 |
| Sundry Creditors | | 25,000 | Sundry Debtors | 1,00,000 | |
| Bills Payable | | 85,550 | *Less* : Further Bad Debts | 1,000 | |
| Outstanding Rent, Rates and Taxes | | 200 | *Less* : New Provision for Bad Debts | 4,950 | |
| | | | | 94,050 | |
| | | | *Less* : Discount on Debtors | 1,881 | 92,169 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | Closing Stock | 35,000 |
| | | Cash in Hand | 36,000 |
| | | Cash at Bank | 53,000 |
| | 3,18,894 | | 3,18,894 |

प्रश्न 6 निम्न शेष केशव इलेक्ट्रॉनिक्स के तलपट से लिये गये हैं। आप 31 मार्च, 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें।

| खाता शीर्षक | राशि (₹) | खाता शीर्षक | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| आरंभिक स्टॉक (Opening Stock) | 2,26,000 | विक्रय (Sales) | 6,80,000 |
| क्रय (Purchases) | 4,40,000 | क्रय वापसी (Return Outwards) | 15,000 |
| आहरण (Drawings) | 75,000 | लेनदार (Creditors) | 50,000 |
| भवन (Buildings) | 1,00,000 | देय विपत्र (Bills Payable) | 63,700 |
| मोटर वैन (Motor Van) | 30,000 | प्राप्त ब्याज (Interest Received) | 20,000 |
| आंतरिक ढुलाई भाड़ा (Freight Inwards) | 3,400 | पूँजी (Capital) | 3,50,000 |
| विक्रय वापसी (Sales Return) | 10,000 | | |
| व्यापार व्यय (Trade Expenses) | 3,300 | | |
| ऊर्जा एवं शक्ति (Heat and Power) | 8,000 | | |
| वेतन एवं मजदूरी (Salary and Wages) | 5,000 | | |
| कानूनी शुल्क (Legal Expenses) | 3,000 | | |
| डाक व तार (Postage and Telegram) | 1,000 | | |
| डूबत ऋण (Bad Debts) | 6,500 | | |
| हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand) | 79,000 | | |
| बैंक में रोकड़ (Cash at Bank) | 98,000 | | |
| विविध देनदार (Sundry Debtors) | 25,000 | | |
| विनियोग (Investments) | 40,000 | | |
| बीमा (Insurance) | 3,500 | | |
| मशीनरी (Machinery) | 22,000 | | |
| | 11,78,700 | | 11,78,700 |

निम्न सूचनायें उपलब्ध हैं:

(1) 31 मार्च, 2017 को स्टॉक 30,000 रुपये है।

(2) भवन पर 5 % तथा मोटर कार पर 10 % ह्रस लगायें।

(3) विविध देनदारों पर 5 % संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान करें।

(4) असमाप्त बीमा 600 रुपये है।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(5) प्रबंधक को 5 % कमीशन दिया जायेगा, निवल लाभ पर कमीशन लगने के बाद।

उत्तर –

**Books of Keshav Electronics**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

**Dr.** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 2,26,000 | By Sales | 6,80,000 | |
| To Purchases | 4,40,000 | | *Less* : Sales Return | 10,000 | 6,70,000 |
| *Less* : Return Outwards | 15,000 | 4,25,000 | By Closing Stock | | 30,000 |
| To Freight Inwards | | 3,400 | | | |
| To Heat and Power | | 8,000 | | | |
| To Gross Profit c/d | | 37,600 | | | |
| | | 7,00,000 | | | 7,00,000 |
| To Trade Expenses | | 3,300 | By Gross Profit b/d | | 37,600 |
| To Depreciation on : | | | By Interest Received | | 20,000 |
| Buildings | 5,000 | | | | |
| Motor Van | 3,000 | 8,000 | | | |
| To Salary and Wages | | 5,000 | | | |
| To Legal Expenses | | 3,000 | | | |
| To Postage and Telegram | | 1,000 | | | |
| To Bad Debts | 6,500 | | | | |
| *Add* : Provision for D.D. | 1,250 | 7,750 | | | |
| To Insurance | 3,500 | | | | |
| *Less* : Prepaid | 600 | 2,900 | | | |
| To Manager's Commission $\left(26,650 \times \frac{5}{105}\right)$ | | 1,269 | | | |
| To Net Profit (transferred to Capital a/c) | | 25,381 | | | |
| | | 57,600 | | | 57,600 |

Fukey Education



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 3,50,000 | | Buildings | 1,00,000 | |
| *Add* : Net Profit | 25,381 | | *Less* : Depreciation | 5,000 | 95,000 |
| | 3,75,381 | | Motor Van | 30,000 | |
| *Less* : Drawings | 75,000 | 3,00,381 | *Less* : Depreciation | 3,000 | 27,000 |
| Creditors | | 50,000 | Machinery | | 22,000 |
| Bills Payable | | 63,700 | Sundry Debtors | 25,000 | |
| Outstanding Manager's Commission | | 1,269 | *Less* : Provision for D.D. | 1,250 | 23,750 |
| | | | Investments | | 40,000 |
| | | | Prepaid Insurance | | 600 |
| | | | Closing Stock | | 30,000 |
| | | | Cash in Hand | | 79,000 |
| | | | Cash at Bank | | 98,000 |
| | | 4,15,350 | | | 4,15,350 |

प्रश्न 7 रागा लिमिटेड की पुस्तकों से ली गई सूचनाओं के आधार पर 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक लाभ व हानि खाता तथा इस तिथि का तुलन-पत्र बनाइये।

| खाता शीर्षक | राशि (₹) | खाता शीर्षक | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| आहरण (Drawings) | 20,000 | विक्रय (Sales) | 2,20,000 |
| भूमि व भवन (Land and Buildings) | 12,000 | पूँजी (Capital) | 1,01,110 |
| संयन्त्र एवं मशीनरी | | बट्टा (Discount) | 1,260 |
| (Plant and Machinery) | 40,000 | प्रशिक्षु प्रीमियम | |
| आंतरिक ढुलाई भाड़ा | | (Apprentice Premium) | 5,230 |
| (Carriage Inwards) | 100 | देय विपत्र (Bills Payable) | 1,28,870 |
| मजदूरी (Wages) | 500 | क्रय वापसी (Purchases Return) | 10,000 |
| वेतन (Salaries) | 2,000 | | |
| विक्रय वापसी (Sales Return) | 200 | | |
| बैंक व्यय (Bank Charges) | 200 | | |
| कोयला, गैस तथा पानी | | | |
| (Coal, Gas and Water) | 1,200 | | |
| क्रय (Purchases) | 1,50,000 | | |
| व्यापार व्यय (Trade Expenses) | 3,800 | | |
| स्टॉक (आरंभिक) [Stock (Opening)] | 76,800 | | |
| बैंक में रोकड़ (Cash at Bank) | 50,000 | | |
| दरें व कर (Rates and Taxes) | 870 | | |
| प्राप्य विपत्र (Bills Receivables) | 24,500 | | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| विविध देनदार (Sundry Debtors) | 54,300 | | |
| हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand) | 30,000 | | |
| | 4,66,470 | | 4,66,470 |

अतिरिक्त सूचनायें निम्न हैं:

1. वर्ष के अंत में अंतिम स्टॉक का मूल्य 20,000 रुपये है।

2. संयन्त्र तथा मशीनरी पर 5 % तथा भूमि तथा भवन पर 10 % ह्रस लगायें।

3. देनदारों पर 3 % बट्टा लगायें।

4. संदिग्ध ऋण के लिये देनदारों पर 5 % का प्रावधान करें।

5. बकाया वेतन 100 रुपये तथा पूर्वदत्त मजदूरी 40 रुपये है।

6. प्रबंधक को 5 % कमीशन निवल लाभ पर ऐसा कमीशन लगने के पश्चात् दिया जायेगा।

उत्तर –

**Books of Raga Limited**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

**Dr.** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 76,800 | By Sales | 2,20,000 | |
| To Purchases | 1,50,000 | | *Less* : Sales Return | 200 | 2,19,800 |
| *Less* : Purchases Return | 10,000 | 1,40,000 | By Closing Stock | | 20,000 |
| To Carriage Inwards | | 100 | | | |
| To Wages | 500 | | | | |
| *Less* : Prepaid | 40 | 460 | | | |
| To Coal, Gas and Water | | 1,200 | | | |
| To Gross Profit c/d | | 21,240 | | | |
| | | 2,39,800 | | | 2,39,800 |
| To Salary | 2,000 | | By Gross Profit b/d | | 21,240 |
| *Add* : Outstanding | 100 | 2,100 | By Discount | | 1,260 |
| To Bank Charges | | 200 | By Apprentice Premium | | 5,230 |
| To Trade Expenses | | 3,800 | | | |
| To Rates and Taxes | | 870 | | | |
| To Depreciation on : | | | | | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Plant & Machinery | 2,000 | | | |
| Land & Building | 1,200 | 3,200 | | |
| To Provision for Doubtful Debts | | 2,715 | | |
| To Discount on Debtors | | 1,548 | | |
| To Manager's Commission $\left(13,297 \times \frac{5}{105}\right)$ | | 633 | | |
| To Net Profit (transferred to Capital a/c) | | 12,664 | | |
| | | 27,730 | | 27,730 |

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 1,01,110 | | Plant and Machinery | 40,000 | |
| *Add* : Net Profit | 12,664 | | *Less* : Depreciation | 2,000 | 38,000 |
| | 1,13,774 | | Land and Building | 12,000 | |
| *Less* : Drawings | 20,000 | 96,774 | *Less* : Depreciation | 1,200 | 10,800 |
| Bills Payable | | 1,28,870 | Sundry Debtors | 54,300 | |
| Outstanding Salary | | 100 | *Less* : Provision for D.D. | 2,715 | |
| Outstanding Commission | | 633 | *Less* : Discount on Debtors | 1,548 | 50,037 |
| | | | Bills Receivable | | 24,500 |
| | | | Closing Stock | | 20,000 |
| | | | Prepaid Wages | | 40 |
| | | | Cash in Hand | | 30,000 |
| | | | Cash at Bank | | 50,000 |
| | | 2,23,377 | | | 2,23,377 |

प्रश्न 8 निम्न शेष 31 मार्च, 2017 को ग्रीन हाऊस की पुस्तकों से लिये गये हैं। इस तिथि को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

| खाता शीर्षक | राशि (₹) | खाता शीर्षक | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| क्रय (Purchases) | 80,000 | पूँजी (Capital) | 2,10,000 |
| बैंक शेष (Bank Balance) | 11,000 | देय विपत्र (Bills Payable) | 6,500 |
| मजदूरी (Wages) | 34,000 | विक्रय (Sales) | 2,00,000 |
| देनदार (Debtors) | 70,300 | लेनदार (Creditors) | 50,000 |
| हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand) | 1,200 | क्रय वापसी (Return Outwards) | 4,000 |
| कानूनी शुल्क (Legal Expenses) | 4,000 | | |
| भवन (Building) | 60,000 | | |
| मशीनरी (Machinery) | 1,20,000 | | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्राप्य विपत्र (Bills Receivable) | 7,000 | | |
| कार्यालय व्यय (Office Expenses) | 3,000 | | |
| आरंभिक स्टॉक (Opening Stock) | 45,000 | | |
| गैस तथा ईंधन (Gas and Fuel) | 2,700 | | |
| ढुलाई तथा भाड़ा (Freight and Carriage) | 3,500 | | |
| कारखाना प्रकाश (Factory Lighting) | 5,000 | | |
| कार्यालय फर्नीचर (Office Furniture) | 5,000 | | |
| पेटेंट अधिकार (Patent Right) | 18,800 | | |
| | 4,70,500 | | 4,70,500 |

समायोजन :

(क) मशीनरी पर 10 % तथा भवन पर 6 % ह्रास लगायें।

(ख) पूँजी पर ब्याज की दर 4 % है।

(ग) बकाया मजदूरी 50 रुपये है।

(घ) अंतिम स्टॉक 50,000 रुपये है।

उत्तर –

**Books of Green House**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

**Dr.** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 45,000 | By Sales | 2,00,000 |
| To Purchases | 80,000 | | By Closing Stock | 50,000 |
| *Less* : Return Outwards | 4,000 | 76,000 | | |
| To Wages | 34,000 | | | |
| *Add* : Outstanding | 50 | 34,050 | | |
| To Factory Lighting | | 5,000 | | |
| To Gas and Fuel | | 2,700 | | |
| To Freight and Carriage | | 3,500 | | |
| To Gross Profit c/d | | 83,750 | | |
| | | 2,50,000 | | 2,50,000 |
| To Legal Expenses | | 4,000 | By Gross Profit b/d | 83,750 |
| To Depreciation on : | | | | |
| Building | 3,600 | | | |
| Machinery | 12,000 | 15,600 | | |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| To Office Expenses | 3,000 | | |
| To Interest on Capital | 8,400 | | |
| To Net Profit (transferred to Capital a/c) | 52,750 | | |
| | 83,750 | | 83,750 |

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 2,10,000 | | Patent Right | | 18,800 |
| *Add* : Net Profit | 52,750 | | Building | 60,000 | |
| | 2,62,750 | | *Less* : Depreciation | 3,600 | 56,400 |
| *Add* : Interest on Capital | 8,400 | 2,71,150 | Machinery | 1,20,000 | |
| Creditors | | 50,000 | *Less* : Depreciation | 12,000 | 1,08,000 |
| Bills Payable | | 6,500 | Office Furniture | | 5,000 |
| Outstanding Wages | | 50 | Bills Receivable | | 7,000 |
| | | | Debtors | | 70,300 |
| | | | Closing Stock | | 50,000 |
| | | | Bank Balance | | 11,000 |
| | | | Cash in Hand | | 1,200 |
| | | 3,27,700 | | | 3,27,700 |

प्रश्न 9 31 मार्च, 2017 को मंजू चावला की पुस्तकों से निम्न शेष लिये गये हैं। आप इस तिथि को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें।

| खाता शीर्षक | नाम राशि ₹ | जमा राशि ₹ |
|---|---|---|
| आरंभिक स्टॉक (Opening Stock) | 10,000 | — |
| क्रय तथा विक्रय (Purchases and Sales) | 40,000 | 80,000 |
| वापसी (Returns) | 200 | 600 |
| मजदूरी (Wages) | 6,000 | — |
| गोदी एवं निकासी व्यय (Dock and Clearing Charges) | 4,000 | — |
| बिजली (Lighting) | 500 | — |
| विविध आय (Misc. Income) | — | 6,000 |
| किराया (Rent) | — | 2,000 |
| पूँजी (Capital) | — | 40,000 |
| आहरण (Drawings) | 2,000 | — |
| देनदार एवं लेनदार (Debtors and Creditors) | 6,000 | 7,000 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | |
|---|---|---|
| रोकड़ (Cash) | 3,000 | — |
| विनियोग (Investment) | 6,000 | — |
| पेटेंट (Patent) | 4,000 | — |
| भूमि तथा मशीनरी (Land and Machinery) | 43,000 | |
| दान तथा सहायता (Donations and Charity) | 600 | — |
| जमा बिक्री कर (Sales Tax Collected) | — | 1,000 |
| फर्नीचर (Furniture) | 11,300 | — |
| | 1,36,600 | 1,36,600 |

अंतिम स्टॉक 2,000 रुपये का है।

(क) आहरण पर 7 % की दर से ब्याज तथा पूँजी पर 5 % की दर से ब्याज लगायें।

(ख) भूमि तथा मशीनरी पर 5 % का ह्रास लगायें।

( ग) विनियोग पर ब्याज की दर 6 % है।

( घ) असमाप्त किराया 100 रुपये है।

( च ) फर्नीचर पर 5 % ह्रास लगायें।

उत्तर –

**Books of Manju Chawla**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

**Dr.** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 10,000 | By Sales | 80,000 | |
| To Purchases | 40,000 | | *Less* : Returns | 200 | 79,800 |
| *Less* : Returns | 600 | 39,400 | By Closing Stock | | 2,000 |
| To Wages | | 6,000 | | | |
| To Dock and Clearing Charges | | 4,000 | | | |
| To Lighting | | 500 | | | |
| To Gross Profit c/d | | 21,900 | | | |
| | | 81,800 | | | 81,800 |
| To Depreciation on : | | | By Gross Profit b/d | | 21,900 |
| Land and Machinery | 2,150 | | By Misc. Income | | 6,000 |
| Furniture | 565 | 2,715 | By Rent | 2,000 | |
| To Donations and Charity | | 600 | *Less* : Received in Advance | 100 | 1,900 |
| To Interest on Capital | | 2,000 | By Interest on Investments | | 360 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

| | | | |
|---|---|---|---|
| To Net Profit (transferred to Capital a/c) | 24,985 | By Interest on Drawings | 140 |
| | 30,300 | | 30,300 |

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 40,000 | | Patent | | 4,000 |
| *Add* : Net Profit | 24,985 | | Land and Machinery | 43,000 | |
| *Add* : Interest on Capital | 2,000 | | *Less* : Depreciation | 2,150 | 40,850 |
| | 66,985 | | Furniture | 11,300 | |
| *Less* : Drawings | 2,000 | | *Less* : Depreciation | 565 | 10,735 |
| *Less* : Interest on Drawings | 140 | 64,845 | Investments | 6,000 | |
| Creditors | | 7,000 | *Add* : Intt. on Investments | 360 | 6,360 |
| Rent Received in Advance | | 100 | Debtors | | 6,000 |
| Sales Tax Collected | | 1,000 | Closing Stock | | 2,000 |
| | | | Cash | | 3,000 |
| | | 72,945 | | | 72,945 |

प्रश्न 10 निम्न शेष 31 मार्च, 2017 को पंचशील गारमेंट्स की पुस्तकों से लिये गये हैं।

| खाता शीर्षक | नाम राशि (₹) | खाता शीर्षक | जमा राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| आरंभिक स्टॉक (Opening Stock) | 16,000 | विक्रय (Sales) | 1,12,000 |
| क्रय (Purchases) | 67,600 | क्रय वापसी (Return Outwards) | 3,200 |
| विक्रय वापसी (Return Inwards) | 4,600 | बट्टा (Discount) | 1,400 |
| आंतरिक ढुलाई भाड़ा (Carrige Inwards) | 1,400 | बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft) | 10,000 |
| सामान्य व्यय (General Expenses) | 2,400 | कमीशन (Commission) | 1,800 |
| बीमा (Insurance) | 4,000 | लेनदार (Creditors) | 16,000 |
| स्कूटर व्यय (Scooter Expenses) | 200 | पूँजी (Capital) | 50,000 |
| वेतन (Salaries) | 8,800 | | |
| हस्तस्थ रोकड़ (Cash in Hand) | 4,000 | | |
| स्कूटर (Scooter) | 8,000 | | |
| फर्नीचर (Furniture) | 5,200 | | |
| भवन (Buildings) | 65,000 | | |
| देनदार (Debtors) | 6,000 | | |
| मजदूरी (Wages) | 1,200 | | |
| | 1,94,400 | | 1,94,400 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा इस तिथि को तुलन-पत्र तैयार करें।

(क) असमाप्त बीमा 1,000 रुपये।

(ख) 1,800 रुपये वेतन देय है, अभी भुगतान नहीं किया गया।

(ग) बकाया मजदूरी 200 रुपये है।

(घ) पूँजी पर ब्याज 5 % लगायें।

(च) स्कूटर पर 5 % की दर से ह्रस लगायें।

( छ) फर्नीचर पर 10 % की दर से ह्रास लगायें।

(ज) अन्तिम स्टॉक 15,000 रुपये था।

उत्तर –

**Books of Panchsheel Garments**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

**Dr.** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 16,000 | By Sales | 1,12,000 | |
| To Purchases | 67,600 | | *Less* : Return Inwards | 4,600 | 1,07,400 |
| *Less* : Returns Outwards | 3,200 | 64,400 | By Closing Stock | | 15,000 |
| To Carriage Inwards | | 1,400 | | | |
| To Wages | 1,200 | | | | |
| *Add* : Outstanding | 200 | 1,400 | | | |
| To Gross Profit c/d | | 39,200 | | | |
| | | 1,22,400 | | | 1,22,400 |
| To General Expenses | | 2,400 | By Gross Profit b/d | | 39,200 |
| To Insurance | 4,000 | | By Discount | | 1,400 |
| *Less* : Prepaid | 1,000 | 3,000 | By Commission | | 1,800 |
| To Scooter Expenses | | 200 | | | |
| To Salaries | 8,800 | | | | |
| *Add* : Outstanding | 1,800 | 10,600 | | | |
| To Interest on Capital | | 2,500 | | | |
| To Depreciation on : | | | | | |
| Scooter | 400 | | | | |
| Furniture | 520 | 920 | | | |
| To Net Profit (transferred to Capital a/c) | | 22,780 | | | |
| | | 42,400 | | | 42,400 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**Balance Sheet as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 50,000 | | Building | | 65,000 |
| *Add* : Net Profit | 22,780 | | Furniture | 5,200 | |
| *Add* : Interest on Capital | 2,500 | 75,280 | *Less* : Depreciation | 520 | 4,680 |
| Creditors | | 16,000 | Scooter | 8,000 | |
| Bank Overdraft | | 10,000 | *Less* : Depreciation | 400 | 7,600 |
| Outstanding Wages | | 200 | Debtors | | 6,000 |
| Outstanding Salaries | | 1,800 | Closing Stock | | 15,000 |
| | | | Prepaid Insurance | | 1,000 |
| | | | Cash in Hand | | 4,000 |
| | | 1,03,280 | | | 1,03,280 |

प्रश्न 11 निम्न शेष से 31 मार्च, 2017 को कंट्रोल डिवाईस इंडिया का व्यापारिक तथा लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें:

| खाता शीर्षक | नाम राशि ₹ | जमा राशि ₹ |
|---|---|---|
| आहरण तथा पूँजी (Drawings and Capital) | 19,530 | 67,500 |
| क्रय एवं विक्रय (Purchases and Sales) | 45,000 | 1,12,500 |
| वेतन तथा कमीशन (Salary and Commission) | 25,470 | 1,575 |
| ढुलाई (Carriage) | 2,700 | — |
| संयन्त्र तथा मशीनरी (Plant and Machinery) | 27,000 | — |
| फर्नीचर (Furniture) | 6,750 | — |
| आरंभिक स्टॉक (Opening Stock) | 42,300 | — |
| बीमा की किस्त (Insurance Premium) | 2,700 | — |
| ब्याज (Interest) | — | 7,425 |
| बैंक अधिविकर्ष (Bank Overdraft) | — | 24,660 |
| किराया व कर (Rent and Taxes) | 2,160 | — |
| मजदूरी (Wages) | 11,215 | — |
| वापसियाँ (Returns) | 2,385 | 1,440 |
| बाह्य ढुलाई भाड़ा (Carriage Outwards) | 1,485 | — |
| देनदार व लेनदार (Debtors and Creditors) | 36,000 | 58,500 |
| सामान्य व्यय (General Expenses) | 6,975 | — |
| चुंगी (Octroi) | 530 | — |
| विनियोग (Investments) | 41,400 | — |
| | 2,73,600 | 2,73,600 |

अंतिम स्टॉक का मूल्य 20,000 रुपये है।



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(क) पूँजी पर ब्याज की दर 10 % ।

(ख) आहरण पर ब्याज की दर 5 % ।

( ग) बकाया मजदूरी 50 रुपये।

(घ) बकाया वेतन 20 रुपये।

(च) संयन्त तथा मशीनरी पर 5 % ह्रास का प्रावधान करें।

(छ) देनदारों पर 5 % की दर से प्रावधान करें।

उत्तर –

**Books of Control Device India**
**Trading and Profit & Loss Account**
**for the year ended March 31, 2017**

| Dr. Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| To Opening Stock | | 42,300 | By Sales | 1,12,500 | |
| To Purchases | 45,000 | | *Less* : Return Inwards | 2,385 | 1,10,115 |
| *Less* : Purchases Returns | 1,440 | 43,560 | By Closing Stock | | 20,000 |
| To Carriage | | 2,700 | | | |
| To Wages | 11,215 | | | | |
| *Add* : Outstanding | 50 | 11,265 | | | |
| To Octroi | | 530 | | | |
| To Gross Profit c/d | | 29,760 | | | |
| | | 1,30,115 | | | 1,30,115 |
| To Salary | 25,470 | | By Gross Profit b/d | | 29,760 |
| *Add* : Outstanding | 20 | 25,490 | By Commission | | 1,575 |
| To Insurance Premium | | 2,700 | By Interest | | 7,425 |
| To Rent and Taxes | | 2,160 | By Interest on Drawings | | 977 |
| To Carriage Outwards | | 1,485 | By Net Loss | | 8,973 |
| To General Expenses | | 6,975 | (transferred to Capital a/c) | | |
| To Interest on Capital | | 6,750 | | | |
| To Depreciation on Plant & Machinery | | 1,350 | | | |
| To Provision on Debtors | | 1,800 | | | |
| | | 48,710 | | | 48,710 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**Balance Sheet**
**as at March 31, 2017**

| Liabilities | | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| Capital | 67,500 | | Plant and Machinery | 27,000 | |
| *Add* : Interest on Capital | 6,750 | | *Less* : Depreciation | 1,350 | 25,650 |
| | 74,250 | | Furniture | | 6,750 |
| *Less* : Net Loss 8,973 | | | Investment | | 41,400 |
| Drawings 19,530 | | | Closing Stock | | 20,000 |
| Int. On Drawings 977 | 29,480 | 44,770 | Debtors | 36,000 | |
| Creditors | | 58,500 | *Less* : Provision | 1,800 | 34,200 |
| Bank Overdraft | | 24,660 | | | |
| Outstanding Wages | | 50 | | | |
| Outstanding Salaries | | 20 | | | |
| | | 1,28,000 | | | 1,28,000 |

प्रश्न 12 कपिल ट्रैडसे के तलपट में 31 मार्च, 2017 को निम्न शेष दिये गये हैं:

| | |
|---|---|
| विविध देनदार | 30,500 रु. |
| डबबत ऋण | 500 रु. |
| डूबत ऋण के लिये प्रावधान | 2,000 रु. |

फर्म के साझेदार इससे सहमत हैं कि फर्म की पुस्तकों में निम्न समायोजन का अभिलेखन करें:अन्य डूबत ऋण 300 रुपये, संदिग्ध ऋण के लिये 10 % का प्रावधान करें। उपरोक्त समायोजनों को डूबत ऋण खाता, प्रावधान खाता, देनदार खाता, लाभ व हानि खाता तथा तलन-पत्र में दर्शायें।

उत्तर –

**Books of Kapil Traders**

**Dr. Bad Debts Account Cr.**

| Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ | Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017 | | | | 2017 | | | |
| 31 Mar. | To Balance b/d | | 500 | 31 Mar. | By Provision for | | |
| 31 Mar. | To Sundry Debtors | | 300 | | Doubtful Debts | | 800 |
| | | | 800 | | | | 800 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**Dr.** **Provision for Doubtful Debts Account** **Cr.**

| Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ | Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017 | | | | 2017 | | | |
| 31 Mar. | To Bad Debts | | 800 | 31 Mar. | By Balance b/d | | 2,000 |
| 31 Mar. | To Balance c/d (New Provision) | | 3,020 | 31 Mar. | By Profit & Loss A/c *(Balancing Figure)* | | 1,820 |
| | | | 3,820 | | | | 3,820 |

**Dr.** **Debtors Account** **Cr.**

| Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ | Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017 | | | | 2017 | | | |
| 31 Mar. | To Balance b/d | | 30,500 | 31 Mar. | By Further Bad Debts | | 300 |
| | | | | 31 Mar. | By Balance c/d | | 30,200 |
| | | | 30,500 | | | | 30,500 |

**Dr.** **Profit and Loss A/c** **Cr.**

| Expenses/Losses | | Amount ₹ | Revenues/Gains | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| To Bad Debts | 500 | | | |
| *Add* : Further Bad Debts | 300 | | | |
| *Add* : New Provision | 3,020 | | | |
| | 3,820 | | | |
| *Less* : Old Provision | 2,000 | 1,820 | | |

**Balance Sheet**

| Liabilities | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| | | Debtors | 30,200 | |
| | | *Less* : New Provision | 3,020 | 27,180 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 13 निम्न सूचनाओं से 31 मार्च, 2017 को डूबत ऋण खाता, प्रावधान खाता लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें:

| देनदार | रु. |
|---|---|
| डूबत ऋण | 80,000 |
| डूबत ऋण के लिये प्रावधान | 2,000 |

देनदारों पर 3 की दर से प्रावधान।

उत्तर –

**Bad Debts Account**

**Dr.** **Cr.**

| Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ | Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017 | | | | 2017 | | | |
| 31 Mar. | To Balance b/d | | 2,000 | 31 Mar. | By Provision for | | |
| 31 Mar. | To Debtors | | 500 | | Doubtful Debts | | 2,500 |
| | | | 2,500 | | | | 2,500 |

**Dr.** **Provision for Doubtful Debts Account** **Cr.**

| Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ | Date | Particulars | J. F. | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017 | | | | 2017 | | | |
| 31 Mar. | To Bad Debts | | 2,500 | 31 Mar. | By Balance b/d | | 5,000 |
| 31 Mar. | To Balance c/d (New Provision) | | 2,385 | | | | |
| 31 Mar. | To Profit & Loss A/c *(Balancing Figure)* | | 115 | | | | |
| | | | 5,000 | | | | 5,000 |

**Profit and Loss A/c**

| Expenses/Losses | Amount ₹ | Revenues/Gains | | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| | | By Old Provision for Doubtful Debts | | 5,000 | |
| | | *Less* : Bad Debts | 2,000 | | |
| | | *Less* : Further Bad Debts | 500 | | |
| | | *Less* : New Provision | 2,385 | 4,885 | 115 |



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

**Balance Sheet**

| Liabilities | Amount ₹ | Assets | | Amount ₹ |
|---|---|---|---|---|
| | | Debtors | 80,000 | |
| | | *Less* : Further Bad Debts | 500 | |
| | | | 79,500 | |
| | | *Less* : New Provision | 2,385 | 77,115 |

Fukey Future's Key
Fukey Education



Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com